अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 152 लखनऊ, मंगलवार, 16 दिसम्बर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

तीन देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति को परिचय पत्र सौंपे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में तीन देशों के राजदूतों से उनके परिचय-पत्र स्वीकार किए। परिचय-पत्र सौंपने वालों में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहअली, ब्रुनेई दारुस्सलाम की उच्चायुक्त सीती आर्नीफरिज़ा हाजी मोह्द जानी तथा फ़ेडरेटेड स्टेट्स ऑफ माइक्रोनेशिया के राजदूत जॉन फ्रिट्ज़ शामिल थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी राजदूतों का स्वागत किया और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा में 'शांति विधेयक 2025' पेश

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों के भारी विरोध के बीच सोमवार को 'भारत परिवर्तन के लिए परमाणु ऊर्ज़ा का सतत दोहन तथा उन्नयन विधेयक, 2025' जिसका संक्षिप्त नाम 'शांति विधेयक 2025'पेश किया गया। परमाणु ऊर्ज़ा विभाग में राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने विधेयक पेश करने की पीठासीन अधिकारी से अनुमति मांगी और कहा कि विधेयक का मकसद लोक कल्याण के लिए परमाणु ऊर्ज़ा तथा विकास को प्रोत्साहित करना, परमाणु विद्युत उत्पादन, स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य, जल, कृषि, उद्योग, अनुसंधान, पर्यावरण, परमाणु विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढावा देना है।

घने कोहरे के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर 80 से अधिक उड़ानें रद्द, पांच डायवर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को घने कोहरे के कारण 80 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और कम से कम पांच को नजदीकी शहरों के लिए डायवर्ट किया गया है। हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, 80 से अधिक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें आज रद्द रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक कम से कम पांच आगमन उड़ानों को दूसरे शहरों में उतारा गया है। दिल्ली हवाई अड्डे की ओर से सोशल मीडिया पर दोपहर बाद 1:03 बजे की स्थिति की जानकारी देते हुए बताया गया है कि अब स्थिति में सुधार हो रहा है लेकिन पहले से बड़ी संख्या में उड़ान भरने का इंतजार कर रहे विमानों के कारण स्थिति सामान्य होने में और समय लग सकता है।

प्रशांत किशोर की कांग्रेस में एंट्री?

प्रियंका गांधी से मुलाकात के बाद अटकलें तेज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से हालिया मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार नई दिल्ली में हुई यह बैठक करीब दो घंटे चली, जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार सहित उत्तर भारत के मौजूदा राजनीतिक हालात, चुनौतियों और आगामी चुनावी परिदृश्य पर चर्चा हुई। हालांकि, इस मुलाकात पर दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। प्रियंका गांधी से जब पत्रकारों ने इस विषय पर सवाल किया तो उन्होंने इसे टालते हुए कहा कि ह्लये कोई खबर नहीं है, दूसरे जरूरी मुद्दों पर बात कीजिए।ङ्क इसके बावजूद समय और राजनीतिक संदर्भ को देखते हुए इस बैठक को सामान्य मुलाकात से कहीं अधिक अहम माना जा रहा है।

पहले भी हो चुका है संवाद

कांग्रेस और प्रशांत किशोर के रिश्ते पहले भी चर्चा में रहे हैं। वर्ष 2021 में किशोर ने कांग्रेस के पुनरुद्धार के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव दिया था। अप्रैल 2022 में सोनिया गांधी के आवास पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी नेतृत्व के सामने प्रेजेंटेशन भी दिया। बाद में कांग्रेस ने उन्हें लोकसभा चुनावों के लिए बनाए गए एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था, जिसे किशोर ने यह कहते हुए ठुकरा दिया था कि पार्टी को किसी एक सलाहकार से ज्यादा सामूहिक नेतृत्व और गहरे संगठनात्मक सुधारों की जरूरत है।

बातचीत पूरी तरह खत्म नहीं

इसके बाद प्रशांत किशोर ने बिहार में जन सुराज अभियान शुरू कर अपनी अलग राजनीतिक राह चुनी। बावजूद इसके, कांग्रेस और पीके के बीच संवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। हालिया मुलाकात को इसी क्रम में देखा जा रहा है। फिलहाल कांग्रेस में प्रशांत किशोर की औपचारिक एंट्री को लेकर कोई स्पष्ट संकेत नहीं हैं, लेकिन यह मुलाकात आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति में नए समीकरणों की आहट जरूर देती है।

उत्तर भारत में खोई जमीन वापस पाने की कोशिश

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के अन्य राज्यों में अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने के लिए नए रणनीतिक विकल्पों पर विचार कर रही है। ऐसे में प्रशांत किशोर से संवाद को संगठनात्मक मजबूती और चुनावी रणनीति के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

देश के प्रति सरदार पटेल की सेवाएं व योगदान बना चिरस्मरणीय अध्याय: योगी

- भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी की। योगी ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का यशस्वी नेतृत्व और लंबे समय तक प्राप्त होता लेकिन देश का दुर्भाग्य रहा कि 15 दिसंबर 1950 को उनका नश्वर शरीर जवाब दे गया। उनकी स्मृतियां, देश के प्रति सेवाएं व योगदान चिरस्मरणीय अध्याय बन गया। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा।

नबीन के साथ युवा हो रही भाजपा

- नये कार्यकारी अध्यक्ष नितिन का मानना है राजनीति धैर्य का काम
- अब सड़क नहीं पार्टी का संगठन बनाएंगे बिहार के पथ निर्माण मंत्री
- पार्टी को युवा करने की कवायद का हिस्सा है नितिन की नियुक्ति
- 20 चुनिंदा भाजपाइयों में से चुने गए 45 साल के कार्यकारी अध्यक्ष

अभयानंद शुक्ल, समन्वय सम्पादक

भाजपा के नए कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ पार्टी भी अब युवा होने की ओर अग्रसर है। नबीन का चुनाव उन 20 चुनिंदा कार्यकर्ताओं में से किया गया है, जिन्हें 8-10 महीना पूर्व शॉर्टलिस्ट किया गया था। यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वायदे का भी क्रियान्वयन है, जो उन्होंने पिछले साल दिसंबर में गुजरात के एक कार्यक्रम में किया था। इस प्रकार अब भारतीय जनता पार्टी अपनी तीसरी-चौथी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए काम करने लगी है। और संघ से परामर्श और सहमति में हो रहे विलंब के चलते ही शायद इस घोषणा में देरी हुई। और जैसा कि अब तक की परंपरा है कि भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष ही पूर्णकालिक होता है तो आने वाले दिनों में नितिन नवीन ही पूर्णकालिक हो जाएंगे, ऐसा सूत्रों का कहना है। खबर ये भी है कि बाकी 19 लोगों का भी समायोजन पार्टी में विभिन्न पदों पर किया जाएगा। खैर, नितिन नवीन के रूप में 45 साल की भाजपा को 45 साल का कार्यकारी अध्यक्ष मिल गया है। सोमवार को दिल्ली पहुंचकर नितिन नबीन ने अपना पदभार भी ग्रहण कर लिया है। उन्होंने कहा है कि राजनीति धैर्य का काम है, और समय लेती है। इसलिए धैर्य के साथ सबको अपना काम करते रहना चाहिए। इस मौके पर पटना से लेकर दिल्ली तक उनके जबरदस्त स्वागत का संदेश यही है की पूरी पार्टी इस निर्णय से सहमत है। इसीलिए सभी नेता एक स्वर से उनकी इस नियुक्ति की तारीफ कर रहे हैं, और बधाई दे रहे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं उनके स्वागत के लिए मौजूद थीं।

कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप नितिन नबीन की वाइल्ड एंट्री से अचंभित लोग अब उनकी नियुक्ति के निहितार्थ तलाशने लगे हैं। उधर सूत्रों का कहना है कि करीब सात-आठ महीने पहले भाजपा ने 45-55 वर्ष की आयु के 15-20 भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रोफाइलिंग की थे। उनमें नितिन नवीन का भी नाम था। बाद में भाजपा और संघ की सहमति से पांच नाम छांटे गए थे। बाद में गहन विचार विमर्श के बाद नितिन नबीन का चयन किया गया। खबर है कि बिहार में चुनाव के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नितिन नवीन के घर पर भी गए थे। उस समय यह संकेत था, नितिन नबीन के महत्व का। पर उस समय किसी ने गौर नहीं किया। 45 साल के नितिन अभी तक बिहार सरकार में पथ निर्माण विभाग के मंत्री थे।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में अपनी सांगठनिक क्षमता का लोहा मनवा चुके नितिन के पास ये जिम्मेदारी आना पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के विश्वास का भी प्रतीक है। पार्टी को युवा करने का वादा पिछले साल दिसंबर में पीएम नरेंद्र मोदी ने गुजरात में रामकृष्ण मठ के एक कार्यक्रम में किया था। पार्टी सूत्रों का कहना है कि ये उसी वाले को पूरा करने की शुरुआत है। और जिस प्रकार पार्टी के बड़े नेताओं पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा आदि ने उन्हें बधाई दी है, उससे लगता है कि उनको इस काम में कोई दिक्कत भी नहीं आएगी। वैसे भी अक्सर अपने निर्णयों से चौंका देने वाले नरेंद्र मोदी ने फिर एक बार राजनीति के जानकारों को चौंका दिया है। उनकी नियुक्ति का भाजपा के अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल के नेता मृत्युंजय तिवारी ने भी स्वागत किया है और कहा है कि बिहार के लिए खुशी का विषय है।

प्रधानमंत्री तीन देशों की यात्रा पर रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की तीन देशों की यात्रा पर रवाना हो गए। प्रधानमंत्री ने यात्रा पर रवाना होने से पहले अपना वक्तव्य जारी किया। उन्होंने कहा कि ये तीनों देश भारत के साथ प्राचीन सभ्यतागत संबंधों के साथ-साथ समकालीन द्विपक्षीय साझेदारी साझा करते हैं। यह यात्रा भारत के कूटनीतिक और वैश्विक सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री अपनी यात्रा की शुरुआत जॉर्डन से करेंगे, जहां वे किंग अब्दुल्ला द्वितीय इब्न अल हुसैन के निमंत्रण पर अमान जाएंगे। यह यात्रा भारत और जॉर्डन के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर ऐतिहासिक मानी जा रही है। प्रधानमंत्री किंग अब्दुल्ला द्वितीय, जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन और क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही वे भारतऽजॉर्डन संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे भारतीय समुदाय से भी संवाद करेंगे।

- जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान से संबंधों को मिलेगी नई मजबूती

जॉर्डन के बाद प्रधानमंत्री इथियोपिया की यात्रा पर जाएंगे। यह उनकी इथियोपिया की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। उन्होंने बताया कि अदीस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है, जिसे भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान 2023 में जी 20 का स्थायी सदस्य बनाया गया था। प्रधानमंत्री इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली से व्यापक चर्चा करेंगे और वहां रह रहे भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे, जहां 'लोकतंत्र की जननी' के रूप में भारत की यात्रा और ग्लोबल साउथ के लिए भारतऽइथियोपिया साझेदारी के महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे।

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री ओमान पहुंचेंगे। यह दौरा भारतऽओमान राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। मस्कट में प्रधानमंत्री ओमान के सुल्तान से मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी तथा व्यापारिक व आर्थिक सहयोग को और सशक्त बनाने पर चर्चा करेंगे। वे ओमान में बसे भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे, जिन्होंने देश के विकास और भारतऽओमान संबंधों को मजबूत करने में अहम योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि यह तीन देशों की यात्रा भारत के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ करेगी।

सरकार खुद ही संसद नहीं चलाना चाहती : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव तथा लोकसभा में पार्टी की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि सरकार के मंत्री ही संसद को बाधित कर रहे हैं और इससे लगता है कि सरकार ही खुद संसद नहीं चलाना चाहती है। श्रीमती वाड्रा ने सोमवार को यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने प्रश्नकाल बाधित किया है। सदन की कार्यवाही शुरु होते ही उन्होंने सदन की कार्यवाही को बाधित करना शुरु किया जिसके कारण हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी। इससे लगता है कि सरकार ही खुद सदन को नहीं चलाना चाहती है।उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार खुद संसद सत्र को डिस्टर्ब कर रही है।

मेसी प्रकरण को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में तीन याचिकाएं दायर

- राज्य सरकार की जांच कमेटी पर सवाल

एजेंसी

कोलकाता। सॉल्टलेक स्थित युवाभारती क्रीड़ांगन में लियोनेल मेसी के कार्यक्रम के दौरान हुई भारी अव्यवस्था की जांच को लेकर अब कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा गठित जांच समिति को चुनौती देते हुए सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में दो अलग अलग जनहित याचिकाएं और एक अन्य सामान्य याचिका दायर की गईं हैं। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि राज्य सरकार की बनाई गई समिति के पास जांच करने का वैधानिक अधिकार ही नहीं है और निष्पक्ष जांच के लिए एक अलग समिति गठित की जानी चाहिए। इन मामलों की सुनवाई इसी सप्ताह होने की संभावना जताई जा रही है। राज्य सरकार ने युवाभारती की घटना की जांच के लिए एक समिति बनाई है, जिसके अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश असीम कुमार राय हैं। इसके साथ ही समिति में मुख्य सचिव मनोज पंत और गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती भी शामिल हैं। इस समिति की वैधता पर सवाल उठाते हुए राज्य के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इसके अलावा अधिवक्ता सब्यसाची चट्टोपाध्याय ने भी कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ का ध्यान अलग से इस मुद्दे की ओर आकृष्ट किया है।

मनरेगा का नाम बदलने की पहल : नीति, राजनीति और रीब्रांडिंग का सवाल

मनोज शुक्ला

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एक बार फिर राजनीतिक और नीतिगत बहस के केंद्र में है। वजह है–मोदी सरकार द्वारा इस योजना का नाम बदलकर पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना करने का प्रस्ताव। यह वही योजना है, जिसे एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कांग्रेस सरकारों की ल्हविफलताओं का जीवंत स्मारकङ्क बताया था। समय के साथ बदले इस रुख ने योजना के भविष्य से ज़्यादा उसके राजनीतिक अर्थों पर चर्चा तेज कर दी है।

मनरेगा की शुरुआत राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) के रूप में वर्ष 2005 में यूपीए सरकार के दौरान हुई थी। इसे फरवरी 2006 में चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया और 2008-09 तक पूरे देश में विस्तार दिया गया। अक्टूबर 2009 में इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) किया गया, ताकि इसे गांधीवादी सिद्धांतों–ग्रामीण सशक्तिकरण, समानता और आजीविका सुरक्षा–से जोड़ा जा सके।

इस योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को प्रति वर्ष कम से कम 100 दिनों के अकुशल श्रम आधारित रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई। इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीबी कम करना, संकट के समय प्रवास रोकना, महिलाओं को सशक्त बनाना और टिकाऊ ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण करना रहा है। समय के साथ यह दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजनाओं में शामिल हो गई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी चर्चा हुई।

2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने मनरेगा की कार्यप्रणाली पर कई बार सवाल उठाए। 2015 में संसद में दिए गए

भाषण में प्रधानमंत्री ने इसे यूपीए सरकारों की लंबे समय की नीतिगत असफलताओं का प्रतीक बताया था। इसके बावजूद सरकार ने इस योजना को बंद नहीं किया। खासकर कोविड-19 महामारी और ग्रामीण आर्थिक संकट के दौरान मनरेगा ने बड़ी संख्या में परिवारों को आय का सहारा दिया।

अब सरकार इस योजना का नाम बदलने के साथ-साथ इसमें कुछ संरचनात्मक बदलावों का भी प्रस्ताव कर रही है। इनमें प्रति वर्ष गारंटीड रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 करने और न्यूनतम दैनिक मजदूरी में संशोधन शामिल है। इन प्रस्तावों से संबंधित विधेयक संसद में लाए जाने की तैयारी है।

हालांकि, नाम परिवर्तन को लेकर

राजनीतिक बहस तेज हो गई है। विपक्षी दलों का कहना है कि यह यूपीए सरकार की योजनाओं को रीब्रांड कर उन्हें नई सरकार की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास है। कांग्रेस नेताओं ने इसे अनावश्यक बदलाव बताया है और ध्यान कार्यान्वयन से हटने का आरोप लगाया है। वहीं, सरकार समर्थकों का तर्क है कि यह कदम योजना की पहचान को नया रूप देने और महात्मा गांधी के प्रति सम्मान व्यक्त करने के उद्देश्य से उठाया गया है। मनरेगा का मामला अकेला नहीं है। उपलब्ध तथ्यों के अनुसार, मोदी सरकार के कार्यकाल में यूपीए युग की 23 प्रमुख योजनाओं के नाम बदले गए हैं या उन्हें नई पहचान के साथ प्रस्तुत किया गया है। मूल लेख में दिए गए उदाहरणों के अनुसार, इनमें शामिल हैं:

इंदिरा आवास योजना ? प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), राजीव आवास योजना ? (बाद में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी में विलय), नो फ्रिल्स अकाउंट / स्वाभिमान योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना, राष्ट्रीय विनिर्माण नीति मेक इन इंडिया, राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन स्किल इंडिया, नेशनल गर्ल चाइल्ड डे प्रोग्राम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (JNNURM) अमृत मिशन, राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, निर्मल भारत अभियान स्वच्छ भारत मिशन, नेशनल ई-गवर्नेंस प्लान डिजिटल इंडिया (आंशिक रूप से समाहित), एक्सेलरेटेड इरिगेशन बेनिफिट प्रोग्राम प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (अन्य योजनाएँ भी इसी श्रेणी में शामिल हैं, जिनकी कुल संख्या 23 बताई जाती है।)

नीति विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी योजना का नाम बदलना अपने आप में न तो सकारात्मक है और न नकारात्मक। असली कसौटी उसका क्रियान्वयन, समय पर भुगतान, पर्याप्त रोजगार दिवस और लाभार्थियों तक उसका प्रभावी पहुंचना है। मनरेगा के संदर्भ में भी यही प्रश्न सबसे महत्वपूर्ण है। स्पष्ट है कि मनरेगा आज केवल एक रोजगार योजना नहीं रही, बल्कि वह भारतीय राजनीति में नीति, विचारधारा और शासन की निरंतरता बनाम बदलाव की बहस का प्रतीक बन गई है। नाम चाहे जो भी हो, ग्रामीण भारत की अपेक्षा यही है कि योजना का मूल उद्देश्य–सम्मानजनक रोजगार और आजीविका सुरक्षा–प्रभावी रूप से पूरा होता रहे।

हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य : योगी

- मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को भी 'जनता दर्शन' में सुनीं फरियादें

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भी अपने 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों से उनका प्रार्थना पत्र लिया और उनकी समस्या का समाधान के लिए अधिकारियों को सख्त व उचित कार्रवाई का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में पहुंचे एक पीएसी के सिपाही ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारी को सिपाही का प्रार्थना पत्र देते हुए मामले के उचित निस्तारण का निर्देश दिया। शाहजहांपुर से आए एक किसान ने मुख्यमंत्री से धान खरीद केंद्र की लापरवाही की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अन्नदाता किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्हें किसी प्रकार की समस्या न हो, शासन-प्रशासन के अधिकारी इसका ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने शाहजहांपुर के जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। किसी भी केंद्र पर धान ले जाने वाले किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। प्रयागराज से भी कुछ फरियादी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। इस पर मुख्यमंत्री संबंधित मामले में प्रयागराज के जिला व पुलिस प्रशासन को निर्देशित किया कि इन समस्याओं का निस्तारण कराएं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य है। सरकार पहले दिन से ही लोगों की सेवा, सुरक्षा व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। साढ़े 8 वर्ष में जनता की समस्या सुनने और उसके निराकरण के लिए सरकार नियमित रूप से कार्य कर रही है। उन्होंने 'जनता दर्शन' में आए लोगों को आश्वस्त किया कि हर समस्या का उचित निस्तारण कराएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी से नाम पूछा, चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ने को कहा। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद भी दिया।

बीबीएयू के शोधकर्ताओं ने विकसित किया स्मार्ट ब्रीथ सेंसर, बिना सुई होगी डायबिटीज की जांच

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के भौतिक विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने गैर-इनवेसिव डायबिटीज मॉनिटरिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विभाग की शोधकर्ता डॉ. मोनू गुप्ता ने प्रो. बी. सी. यादव के मार्गदर्शन में एक ऐसा स्मार्ट ब्रीथ सेंसर विकसित किया है, जो सांस के जरिए डायबिटीज की पहचान करने में सक्षम है। यह शोधकार्य अमेरिकन केमिकल सोसाइटी द्वारा प्रकाशित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल एप्लाइड इंजीनियरिंग मैटेरियल में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया है। यह सेंसर सांस में मौजूद एसीटोन की पहचान करता है, जिसे डायबिटीज और मेटाबॉलिक विकारों का एक मान्यता प्राप्त बायोमार्कर माना जाता है। डॉ. मोनू गुप्ता के अनुसार, ब्लड सैंपल या सुई के इस्तेमाल के बिना केवल सांस के विश्लेषण से डायबिटिक स्थिति की निगरानी इस तकनीक के माध्यम से संभव हो सकेगी। इस सेंसर का निर्माण मोलिब्डेनम ट्राइऑक्साइड (MoO_3) और Nb_2CTx MXene के विशिष्ट नैनोकॉम्पोज़िट संयोजन से किया गया है। यह संयोजन कम सांद्रता पर भी एसीटोन के प्रति उच्च संवेदनशीलता और चयनात्मकता प्रदर्शित करता है। खास बात यह है कि यह उपकरण कम पीपीएम स्तर पर भी एसीटोन का सटीक पता लगाने में सक्षम है, जिससे डायबिटीज की शुरुआती पहचान और नियमित मॉनिटरिंग का मार्ग प्रशस्त होता है।

डॉ. मोनू गुप्ता का कहना है कि यह सेंसर कम लागत वाला, पोर्टेबल और पूरी तरह गैर-इनवेसिव है, जो भविष्य में घर पर ही डायबिटीज की जांच के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। इसके साथ ही यह उपकरण पर्यावरण और मानव श्वास दोनों में एसीटोन का पता लगाने में सक्षम हो सकता है, जिससे इसके उपयोग के क्षेत्र और भी व्यापक हो जाते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने इस महत्वपूर्ण शोध उपलब्धि पर शोध टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह कार्य विश्वविद्यालय में हो रहे गुणवत्तापूर्ण शोध का प्रमाण है और समाजोपयोगी वैज्ञानिक नवाचारों की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

संक्षिप्त समाचार

एथराइज चौंपियनशिप 2025 का भव्य समापन लखनऊ में 235 स्कूलों के 3,500 युवा खिलाड़ियों ने बिखेरी खेल प्रतिभा

लखनऊ। एथराइज चौंपियनशिप 2025 का आज जोश, उत्साह और युवा खेल प्रतिभाओं के शानदार प्रदर्शन के साथ भव्य समापन हुआ। एथलेटिक्स, बैडमिंटन और शतरंज प्रतियोगिताओं के माध्यम से इस चौंपियनशिप में 235 स्कूलों के 3,500 छात्र-खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिससे यह लखनऊ में अब तक आयोजित सबसे बड़े स्कूल खेल आयोजनों में से एक बन गया। बीबीडी बैडमिंटन अकादमी में आयोजित अंतिम दिन बैडमिंटन के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों के साथ-साथ शतरंज के निर्णायक अंतिम राउंड खेले गए, जिन्होंने दर्शकों को अंत तक रोमांचित बनाए रखा। कुल पदक तालिका में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सीएमएस अलीगंज कैंपस-1 ने प्रथम स्थान प्राप्त कर टॉप परफॉर्मिंग स्कूल का खिताब अपने नाम किया।सीएमएस गोमती नगर कैंपस-1 ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि लखनऊ पब्लिक स्कूल एंड कॉलेजेज, गोमती नगर ने तृतीय स्थान प्राप्त कर शहर के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। खेलों में उल्लेखनीय सहभागिता और छात्रों की व्यापक भागीदारी के लिए लार्जेस्ट कंटिंजेंट अवॉर्ड से सीएमएस गोमती नगर कैंपस-1 को सम्मानित किया गया, जो खेलों को बढ़ावा देने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।चौंपियनशिप के दौरान व्यक्तिगत स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन को सम्मानित किया गया।अग्रिमा भटनागर को बेस्ट परफॉर्मर अवॉर्ड (महिला) से सम्मानित किया गया, वहीं विदित जायसवाल को बेस्ट परफॉर्मर अवॉर्ड (पुरुष) प्रदान किया गया। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे आयोजन के दौरान अपने कौशल, अनुशासन और निरंतर प्रदर्शन से विशेष पहचान बनाई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री इंदरजीत सिंह, विशेष सचिव, ऊर्जा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं निदेशक, नेडा (छम्ब।) उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया और स्कूलों, अभिभावकों तथा आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए युवाओं में सुदृढ़ खेल संस्कृति विकसित करने पर बल दिया।अपने संबोधन में उन्होंने एथराइज की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह मंच बच्चों को प्रतिस्पर्धा करने, आगे बढ़ने और खेल के साथ-साथ जीवन में भी आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त अवसर प्रदान करता है।

महाराणा प्रताप के वंशज डॉ. लक्ष्यराज सिंह द्वारा फीना में पुष्पांजलि

लखनऊ। फीना के शोधकर्ता एवं इतिहासकार हेमंत कुमार ने बताया कि फीना गांव का राजस्थान से गहरा जुड़ाव है। सन 1545 के आसपास राजस्थान मूल के राजा अमरजीत सिंह चौहान ने फीना को पुनर्स्थापित किया था। राजस्थान में जन्मे विख्यात लोकदेवता जाहरवीर गोगाजी ने फीना में पड़ाव डाला था। जो आज नीले घोड़े की दूब नामक स्थान के रूप में जाना जाता। खेड़े पर इनका मंदिर भी बना है। फीना जिले का अग्रणी सांस्कृतिक गांव है यहां से बड़ी संख्या में लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया। इन बातों के दृष्टिगत महाराणा प्रताप के वंशज डॉ. लक्ष्यराज सिंह यहां रुके। इस आशय का एक अभिनंदन पत्र भी डॉ. लक्ष्यराज सिंह को भेंट किया गया। डॉ. लक्ष्यराज सिंह प्रसन्न दिखाई दिए और उन्होंने परम्पराओं तथा संस्कृति से जुड़े रह कर शिक्षित और संगठित रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर धीरेश बहादुर राजपूत, अशोक कुमार शास्त्री, ममता राजपूत, अतुल चौहान, हेमंद्र सिंह चौहान, नैतिक आदि मौजूद रहे।, नूरपुर चांदपुर क्षेत्र के ऐतिहासिक गांव फीना में शाम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के वंशज डॉ. लक्ष्यराज सिंह का आगमन हुआ। उन्होंने बेल वाला चौक पर स्थित कारगिल शहीद नायक अशोक कुमार की प्रतिमा तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारक कीर्ति स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित की। मेरा गांव मेरा अभिमान की ओर से नरेश वत्स एवं सार्वजनिक आर्य इंटर कॉलेज की ओर से प्रबंधक मनोज कुमार राजपूत की अगुवाई में डॉ. लक्ष्यराज सिंह और उनके साथ आए दल का भव्य स्वागत किया गया। विधायक अशोक राणा और बड़ी संख्या में फीनावासी उपस्थित रहे। डॉ. लक्ष्यराज सिंह का टीका लगाकर तथा पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। एक तलवार भी भेंट की गई, उन्होंने पौधरोपण भी किया। इस अभिनंदन के बाद डॉ. लक्ष्यराज सिंह ग्राम मोरना तथा धामपुर के लिए प्रस्थान कर गए। पश्चिम उत्तर प्रदेश में उनका यह पहला भ्रमण था।

सरदार पटेल का जीवन हम सभी के लिए सतत प्रेरणा का स्रोत: केशव प्रसाद मौर्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को लखनऊ स्थित सरकारी आवास सात कालिदास मार्ग पर राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रतीक, स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री, 'भारत रत्न', 'लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी।

उपमुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि कर्तव्य, साहस और राष्ट्रसेवा से ओत-प्रोत सरदार पटेल का जीवन हम सभी के लिए सतत प्रेरणा का स्रोत है। राष्ट्र की एकता के प्रति उनका अटूट समर्पण आज भी हमें सशक्त, संगठित और विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। 'लौहपुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों का सफल एकीकरण कर राष्ट्र की एकता और सुरक्षा को दृढ़ आधार प्रदान किया। किसानों, पिछड़ों और वंचित वर्गों को सहकारिता से जोड़कर उन्होंने देश को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया।

बिना सूचना उर्वरक दुकानें मिलीं बंद, जिला कृषि अधिकारी ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रबी फसलों के लिए उपलब्ध उर्वरकों की जानकारी के लिए अधिकारियों ने दुकानों पर जांच की। बीकेटी क्षेत्र में दो प्रतिष्ठान बिना सूचना के बंद मिले, सूचना बोर्ड भी खाली मिला। दोनों दुकानदारों को बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने एडीओ कृषि विजय प्रकाश निगम के साथ बीकेटी क्षेत्र में उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। इस दौरान आजाद कृषि सेवा केंद्र, आरोही खाद भंडार, वारसी खाद भंडार, आईएफएफडीसी अमानीगंज एवं शंकर खाद भंडार पर उर्वरकों का पीओएस स्टॉक और भौतिक स्टाक सही मिला। चौरसिया खाद भंडार व छिद्दू खाद भंडार बंद मिले। नोटिस बोर्ड पर सूचना चस्पा नहीं की गई। दोनों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर निलंबन की कार्रवाई करेंगे। उर्वरक लेकर जा रहे किसानों को सड़क पर रोककर मूल्य व टैगिंग की जानकारी की गई। बीकेटी विजय प्रकाश निगम उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह में 8 मुस्लिम जोड़ों ने पढ़ा निकाह, बायोमैट्रिक से 409 दूल्हा-दुल्हन की एंट्री

लखनऊ राजधानी लखनऊ में समाज कल्याण विभाग की ओर से आज सामूहिक विवाह कराया गया। मंडप में 409 दूल्हा-दुल्हन को बायोमैट्रिक से एंट्री दी गई। इनमें 8 मुस्लिम जोड़े भी रहे जिनको निकाह पढ़ाया गया। इस सामूहिक विवाह के लिए 100 पंडितजी और एक मौलवी बुलाए गए। विभाग ने 10 हजार बाराती-घरातियों के लिए खाने का इंतजाम किया। खाना और पानी के क्षेत्रवार स्टॉल लगाए गए जिस पर लोग प्रॉपर अपने क्षेत्र के स्टॉल पर गए। खाने में पूड़ी, सब्जी, चावल और पनीर परोसा गया। जब मंत्रोच्चार के बीच नवजोड़े आहुतियां दे रहे थे तो दूसरी तरफ हलवाई भोजन बना रहे थे। सीडीओ अजय जैन ने बताया- लाइन लगवाकर बारातियों-घरातियों को खाना दिया गया। पानी के भी स्टॉल लगाए गए। फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट से रॉ मैटीरियल और बने हुए खाने की जांच कराई गई। उसके बाद ही परोसा गया। लोगों के उठने-बैठने, खाने की पूरी व्यवस्था की गई।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने लॉन्च की ऑल न्यू हेक्टर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज ऑल-न्यू एमजी हेक्टर के लॉन्च की घोषणा की। यह एसयूवी सेगमेंट में बोल्ड डिजाइन, बेजोड़ आराम, अग्रणी तकनीक और डायनामिक ड्राइविंग अनुभव के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है। आज यहां चिनहट स्थित एमजी मोटर्स के शोरूम में ऑल-न्यू एमजी हेक्टर की लांचिंग के मौके पर मि. रवि मित्तल, डायरेक्टर स्ट्रैटजिक प्रोजेक्ट्स, जेएसडब्लू एमजीआई, रजनीश अग्रवाल, डायरेक्टर, बीआर एमजी,, आरिफ खान, सेल्स हेड, बीआर एमजी, मि. आलोक मिश्रा, सर्विस हेड बीआर एमजी मौजूद थे। पेश की गयी ऑल-न्यू हेक्टर में नया फ्रंट और रियर बंपर डिजाइन है। साथ ही बिल्कुल नया ग्रिल, नए अलॉय व्हील्स और दो नए रंग सेलेडॉन ब्लू और पर्ल व्हाइट शामिल हैं। इसके इंटीरियर्स में 5-सीटर वेरिएंट के लिए ड्यूल टोन आइस ग्रे थीम और 6 व 7-सीटर वेरिएंट्स के लिए ड्यूल टोन अर्बन टैन थीम दी गई है। यह केबिन को और अधिक प्रीमियम व आकर्षक बनाती है। ऑल-न्यू एमजी हेक्टर रेंज की शुरुआती कीमत 11.99 लाख रुपए (केवल सीमित इकाइयों के लिए) है। लॉन्च के अवसर पर अनुराग मेहरोत्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, हेक्टर हमारा पहला नेमप्लेट था और जल्द ही यह एमजी ब्रांड का पर्याय बन गया। आज तक 1.5 लाख से अधिक ग्राहकों ने इसे पसंद किया है। ऑल-न्यू एमजी हेक्टर के साथ हम इसके डिजाइन, कम्फर्ट और टेक्नोलॉजी को और ऊंचे स्तर पर ले जा रहे हैं। हमारा मानना है कि उन्नत मोबिलिटी कुछ लोगों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। ऑल-न्यू हेक्टर टेक्नोलॉजी को और अधिक लोकप्रिय बनाते हुए प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगा।ङ्क ऑल-न्यू एमजी हेक्टर में नया औरा हेक्स ग्रिल दिया गया है, जो मजबूती और सटीकता का प्रतीक है। इसके साथ फ्रंट और रियर में नए औरा स्कल्प्ट बंपर्स हैं, जो हर एंगल से एक मस्क्युलर और आत्मविश्वासी स्टांस देते हैं। औरा बोल्ट अलॉय व्हील्स को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे खड़े-खड़े भी ताकत और स्टाइल का एहसास कराएं। नए एक्सटीरियर रंगकृसेलेडॉन ब्लू और पर्ल व्हाइटकृइसके आधुनिक और प्रीमियम लुक को और निखारते हैं। ऑल-न्यू एमजी हेक्टर के शानदार इंटीरियर्स में अब दो नए कलर थीम्स मिलते हैंकृ ड्यूल टोन अर्बन टैन (6 और 7-सीटर वेरिएंट्स के लिए), जो आधुनिक शहरी सौंदर्य से प्रेरित है और गर्मजोशी भरा है। यह लग्जरी का अहसास देता है। ड्यूल टोन आइस ग्रे 5-सीटर वेरिएंट के लिए है। इसमें ब्लैक-ग्रे पैलेट के साथ एक रिफाइंड और टेक-फॉरवर्ड माहौल मिलता है। इंटीरियर्स को हाइड्रा ग्लोस फिनिश एक्सेंट्स के साथ और बेहतर बनाया गया है। इनमें हाइड्रोफोबिक ब्लैक-ब्लू इंसर्ट्स हैं जो गहराई, एलिगेंस और लंबे समय तक टिकाऊपन देते हैं। इसके साथ फैब्रिक सीट इंसर्ट्स, लेदर पैक (डैशबोर्ड, डोर्स और कंसोल), फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, टिल्ट व टेलीस्कोपिक एडजस्टेबल स्टीयरिंग और 6-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट दी गई है, जो आराम और प्रैक्टिकलिटी का बेहतरीन संतुलन बनाती है। ऑल-न्यू हेक्टर का इन्फोटेनमेंट अनुभव भी शानदार है। सेगमेंट की सबसे बड़ी 14-इंच एचडी पोर्ट्रेट टचस्क्रीन के साथ अब स्मार्ट बूस्ट तकनीक से और तेज व स्मूथ हो गया है। इससे सिस्टम का रिस्पॉन्स बेहतर होता है और प्रीमियम डिजिटल अनुभव मिलता है। इसके साथ सेगमेंट में पहली बार आई स्वाइप टच जेस्चर कंट्रोल दिया गया है, जिससे दो और तीन उंगलियों के स्वाइप से एसी, म्यूजिक और नेविगेशन जैसे फीचर्स को कंट्रोल किया जा सकता है। डिजिटल ब्लूटूथ की और की शेयरिंग, प्रीडिक्टिव मेंटेनेंस अलर्ट्स (सेगमेंट में पहली बार), रिमोट एसी कंट्रोल जैसी सुविधाएं स्मार्टफोन जैसा सहज अनुभव देती हैं। 17.78 सेमी की फुल डिजिटल क्लस्टर एलसीडी स्क्रीन ड्राइवर को एक आधुनिक और सहज इंटरफ़ेस प्रदान करती है। ऑल-न्यू हेक्टर में 360ल एचडी कैमरा विद व्हील व्यू दिया गया है, जो पार्किंग और तंग जगहों में ड्राइविंग को आसान बनाता है और टायर-लेवल तक की विजिबिलिटी देता है। इसके अलावा इसमें एबीएस, ईबीडी, ईएसपी, टीसीएस, हिल होल्ड कंट्रोल और ब्रेक असिस्ट जैसे स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

भाजपा नेता की कार में मिला मांस, अराजकतत्वों ने शीशा तोड़ा

लखनऊ। राजधानी के सरोजनी नगर में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राहुल मिश्रा की कार का शीशा तोड़कर उसमें मांस के टुकड़े रखे जाने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना सोमवार सुबह सामने आई, जब राहुल मिश्रा ने अपनी स्विफ्ट कार का पिछला शीशा ईंटों से टूटा पाया। कार के अंदर करीब दो किलो मांस रखा हुआ था। राहुल मिश्रा सरोजनी नगर के बेहसा निवासी हैं। भाजपा में सरोजनी नगर दक्षिण प्रथम के मंडल उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने तुरंत सरोजनी नगर पुलिस को इस घटना की सूचना दी। राहुल मिश्रा का कहना है कि वह मांसाहारी भोजन से दूर रहते हैं और यह कृत्य उन्हें बदनाम करने की नीयत से किया गया है। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर को उनके पड़ोस में विधायक निधि से सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था, जिसमें कुछ लोगों ने बाधा डालने की कोशिश की थी। उन्होंने लेखपाल और पुलिस को बुलाकर मामला शांत कराया था। पुलिस ने अज्ञात अराजक तत्वों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

प्रतिनिधि मण्डल ने कैबिनेट मंत्री पंचायती राज को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- एक लाख ग्रामीण सफाई कार्मियों समस्याओं से अवगत कराया

लखनऊ। कैबीनेट मंत्री, पंचायती राज विभाग ओमप्रकाश राजभर से उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत राज सफाई कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने वार्ता कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मण्डल में नरेन्द्र पाल सिंह प्रदेश अध्यक्ष, विजय पाल सिंह प्रधान विशेष सलाहकार, प्रवेश कुमार प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष, इंदल सिंह जिला अध्यक्ष रामपुर, रामसेवक ठाकुर जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष शामिल है। वार्ता में उत्तर प्रदेश पंचायती राज विभाग में कार्यरत एक लाख सफाई कर्मचारियों की मांगों हेतु गठित समिति के पारित निर्णय पदोन्नति, सेवा नियमावली का प्रख्यापन एवं पदनाम परिवर्तित कर निस्तारित करते हुए आंशिक संशोधन के लिए विस्तार से अवगत कराते हुए एक लाख से अधिक सफाई कार्मिकों के हितों में आदेश निर्गत करने की मांग की है। विभागीय मंत्री ने प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया कि जल्द ही वह प्रमुख सचिव और निदेशक के साथ बैठक कर सारगर्भित निर्णय लेगें। मंत्री स्वतंत्र प्रभार पंचायती राज को प्रतिनिधि मण्डल ने बताया कि कार्यालय पंचायती राज निदेशालय, उ.प्र.लखनऊ के पत्र संख्या-2/2727/2025-2/187/2020 06 जून, 2025 में चयनित गठित समिति के कार्यवृत्त में पारित निर्णय में पूर्व में दिये गये तथा निदेशक पंचायती राज विभाग द्वारा प्रमुख सचिव पंचायती राज विभाग को 21 अक्टूबर 2025 को सफाई कर्मियों की पदोन्नति का अवसर प्रदान करते हुए विकास खण्ड स्तर पर सफाई पर्यवेक्षक के पद सृजित किये जाने का प्रस्ताव भेजे जाने की जानकारी दी। ग्राम पंचायत सफाई कर्मचारियों की पदोन्नति हेतु निदेशक, पंचायती राज विभाग के पत्र संख्या-2ध्शा.ध्35ध 2014-2ध्34ध्भाग-1ध्2008 लखनऊ 06.फरवरी 2014 को भी कार्यवृत्त में सम्मिलित कराने हेतु पुर्नस्थापन,पुर्नविचार करने हेतु प्रत्यावेदन की जानकारी दी गई।उन्होंने बताया कि उपरोक्त संदर्भित विषयक का निस्तारण निदेशक, प्रमुख सचिव द्वारा किया जाना है परन्तु सम्बन्धित उच्चाधिकारी द्वारा प्रकरण जिला पंचायत राज अधिकारी बरेली को प्रेषित कर दिया जाता है। जबकि निदेशक तथा प्रमुख सचिव पंचायत राज द्वारा एक लाख ग्राम पंचायत सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का निस्तारण किया जाना है। प्रतिनिधि मण्डल ने विभागीय मंत्री से अनुरोध किया ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु प्रदेश के प्रत्येक राजस्व ग्रामों में सफाई कर्मियों की भर्ती शासनादेश संख्या 322ध्33-3-2008-28, 01 मार्च 2008 के अन्तर्गत की गई थी। वर्तमान में लगभग 1,01,688 सफाई कर्मियों की सेवा को लगभग 17 वर्ष व्यतीत हो जाने के बावजूद भी पदोन्नति एवं सेवानियमावली का लाभ आज तक अनुमन्य नहीं कराया गया है। जबकि आपके द्वारा सफाई कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निदेशक पंचायती राज के कार्यालय के पत्र सं ख्या1-2/5717/2024-2/187/2020, 27 दिसंबर 2024 को पाँच सदस्यीय कमेटी का गठन किये जाने हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया था। इसके लिए 03फरवरी 2025 को उपरोक्त मांग पूर्ण कराने हेतु चयन कमेटी की संस्तुति सहित आख्या मांगी गई और गठित समिति द्वारा 06 जून 2025 को प्रमुख सचिव पंचायती राज तथा निदेशक को तीन प्रमुख मांगे पदोन्नति (ब्लाक पर्यवेक्षक के दो पद) सेवानियमावली का प्रख्यापन, पदनाम परिवर्तित करते हुए (सफाई कर्मी से पंचायत कर्मी) की संस्तुति सहित आख्या प्रेषित की गई है। निदेशक द्वारा प्रमुख सचिव को 21 अक्टूबर 2025 को सफाई कर्मियों की पदोन्नति का अवसर प्रदान करते हुए विकास खण्ड स्तर पर सफाई पर्यवेक्षक के पद सृजित किये जाने का प्रस्ताव सहित भेजा जा चुका है। लेकिन अभी तक कोई भी उचित निर्णय नहीं लिया गया है, जिसके कारण सफाई कर्मी संवर्ग दुखी है। यह भी बताया गया कि चयनित गठित समिति द्वारा प्रदेश के कुल 826 विकास खण्डों में प्रत्येक विकास खण्ड हेतु 02-02 पद सफाई पर्यवेक्षक के सृजन के दृष्टिगत कुल 1652 सफाई पर्यवेक्षक के पद विकास खण्ड स्तर पर सृजित करते हुए शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट की जाने की संस्तुति की गई है। जबकि अधिकतर सफाई कर्मियों की शैक्षिक योग्यता साक्षर होने के साथ-साथ हाईस्कूल है। जिससे भविष्य में अधिकतर इन सफाई कर्मियों की पदोन्नति किया जाना असम्भव होगा।

एसआईआर को लेकर अखिलेश ने भाजपा की चुनावी गणित पर उठाए सवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री के एक बयान का हवाला देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर सीधा हमला बोला है। अखिलेश यादव का कहना है कि मुख्यमंत्री स्वयं यह स्वीकार कर रहे हैं कि एसआईआर के दौरान जो लगभग चार करोड़ मतदाता वोटर लिस्ट में शामिल नहीं किए गए, उनमें से 85 से 90 प्रतिशत भाजपा के मतदाता थे। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि इस बयान के कई राजनीतिक और गणितीय निहितार्थ निकलते हैं। उनका कहना है कि पहला निष्कर्ष यह है कि ह्लपीडीए प्रहरीङ्क की सतर्कता के चलते एसआईआर प्रक्रिया में भाजपा अपनी मनमाफिक गड़बड़ी नहीं कर सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन मतदाताओं को साक्ष्यों के अभाव में सूची से बाहर किया गया, उनमें भारी बहुमत भाजपा समर्थकों का था, जिससे यह संकेत मिलता है कि अनियमितताओं की जड़ भी भाजपा के वोट बैंक में थी। उन्होंने आंकड़ों के आधार पर कहा कि यदि चार करोड़ मतदाताओं में से न्यूनतम 85 प्रतिशत भी भाजपा समर्थक मान लिए जाएं, तो लगभग तीन करोड़ 40 लाख मतदाता कम हो गए। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के लिहाज से यह प्रति सीट औसतन करीब 84 हजार वोटों की कमी को दर्शाता है। अखिलेश यादव का दावा है कि यह अंतर इतना बड़ा है कि इससे भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में निर्णायक रूप से कमजोर हो जाएगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल को संभावित नुकसान को देखते हुए ही चुनाव आयोग ने एसआईआर की समय-सीमा दो सप्ताह के लिए बढ़ाई है। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए प्रहरी अब पहले से अधिक सजग रहेंगे और मतदाता सूची से जुड़ी किसी भी तरह की गड़बड़ी को नहीं होने देंगे। अखिलेश यादव ने भरोसा जताया कि यह पूरा घटनाक्रम ह्लपीडीए की जीत के अंकगणितङ्क को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि पीडीए की एकजुटता को देखकर भाजपा ही नहीं, बल्कि उसके प्रत्यक्ष और परोक्ष सहयोगी दलों में भी बेचैनी बढ़ गई है। अखिलेश यादव के अनुसार आने वाले विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची की पारदर्शिता और पीडीए की एकजुटता ही निर्णायक भूमिका निभाएगी।

गन्ना ढोने में लगे ट्रक एवं ट्रैक्टरों के पीछे प्राथमिकता पर रिफलेक्टर लगवायें: डीएम

■ दुर्घटनाओं एवं जनहानि को रोकने के लिए आम नागरिक का जागरूक होना आवश्यक: एसपी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वामी विवेकानन्द सभागार में क्रिटिकल कोरीडोर पर प्रभावी कार्यवाही के संबंध में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अनुनय झा ने एआरटीओ को निर्देश दिये कि नियमित निरीक्षण के दौरान गन्ना ढोने में लगे ट्रक एवं ट्रैक्टरों के पीछे प्राथमिकता पर रिफलेक्टर लगवायें उन्होने कहा कि एआटीओ एवं पुलिस विभाग के अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर सभी चौराहों आदि पर नियमित चेकिंग के दौरान लोगों को जागरूक करे तथा दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित करें तथा बार-बार नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहन चालकों पर जुर्माना लगायें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं एवं जनहानि को रोकने के लिए आम नागरिक का जागरूक होना आवश्यक है, इस लिए सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें और नशे की हालत में तथा मोबाइल पर बात करते समय वाहन न चलाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 भावनाथ पाण्डे, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, एआरटीओ प्रशासन व परिवर्तन तथा प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में जिलाधिकारी ने सुनी 62 शिकायतें

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई में कुल 62 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए।

जन सुनवाई मे जिलाधिकारी ने एक व्यक्ति का अन्त्योदय राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरूणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

समूहों का गठन किया जाए, समूहों के खाता खुलवाने के दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वामी विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा कि अध्यक्षता 15वाँ वित्त की बैठक सम्पन्न हुई।

उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण कार्य में शिथिलता पाई जाने पर वीडीओ मल्लावां कारण बताओ नोटिस जारी करने निर्देश दिए एक जिला पंचायत द्वारा अंत्येष्टी स्थल के कार्य में प्रगति लाए, आर०आर०सी० सेन्टर में कूड़ा क्लेशन कार्य करने के डीपीआरओ को निर्देश दिए। उन्होंने ने कहा कि NRLM के समूहों का गठन किया जाए, समूहों के खाता खुलवाने के निर्देश दिए। vmm को कड़ी चेतावानी जारी करने निर्देश दिए, जीरो पावर्टी से गरीब परिवार के समूहों को जोड़ने का कार्य करने निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, डीडीपीओ विनय कुमार सिंह, सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम महीठा व महरी में अवैध रूप से डाले गये सिंघाड़े की नीलामी 19 दिसम्बर को

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नायब तहसीलदार भरावन ने सूचित किया है कि ग्राम महीठा परगना सण्डीला स्थित तालाब में अवैध रूप से डाले गये सिंघाड़े की नीलामी 19 दिसम्बर 2025 को अपरान्ह 02 बजे सण्डीला तहसील परिसर में होगी। इसी तरह नायब तहसीलदार कछौना ने भी सूचित किया है कि ग्राम महरी परगना सण्डीला स्थित तालाब में अवैध रूप से डाले गये सिंघाड़े की नीलामी 19 दिसम्बर 2025 को अपरान्ह 03 बजे तहसील सण्डीला परिसर में की जायेगी। दोनो नायब तहसीलदारों ने कहा है कि उक्त तालाबों के सिंघाड़े लेने के इच्छुक व्यक्ति उक्त तिथि को समय पहुंच कर नीलामी में भाग ले सकते है।

युवक की गंगा नदी में डूबने से हुई मौत

मृतक युवक की फाइल फोटो

हरपालपुर (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिता के साथ भैंस चराने गए युवक की गंगा नदी में नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से डूबने से मौत हो गई हैं। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मच गया हैं। जानकारी के अनुसार अरवल थाना क्षेत्र के जिगनी जसमई गांव निवासी नीलू पुत्र कढिले सोमवार की सुबह पिता के साथ भैंस चराने के लिए गया था। नीलू कपड़े उतार कर पास में बह रही गंगा नदी में नहाने के लिए चला गया। नहाते वक्त नदी के गहरे पानी में जाने से वह डूबने लगा। आसपास खेतों पर मौजूद ग्रामीणों ने युवक को बचाने का प्रयास किया। लेकिन वे असफल रहे। घटनास्थल से आधा किलोमीटर दूर ग्रामीणों ने नीलू का शव बरामद किया हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची अरवल थाना पुलिस ने युवक मौके से शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक पांच भाई तथा एक बहन में चौथे नंबर का था तथा अविवाहित था। पिता के साथ खेती बाड़ी के कामों में हाथ बटाता था घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा है। थाना अरवल के थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि युवक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया है।

उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सुगमकर्ता को दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। विकास खंड के समस्त उच्च प्राथमिक एकेजीवीबी एकंपोजिट विद्यालयों के सुगमकर्ता को दो दिवसीय प्रशिक्षण खण्ड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में प्रारम्भ हुआ।

प्रशिक्षण के मुख्य बिंदुओं में मीना मंच के गठन, गुड टच, बेड टच, आत्मरक्षा, सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, नारी सशक्तिकरण, सेल्फ, स्टीम, जीवन कौशल, जेंडरस्टीरियो टाइप्स आदि पर जानकारी दी गयी। सभी सुगमकर्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। प्रशिक्षण अवधि में सभी सुगमकर्ताओं को छात्र-छात्राओं से जुड़ी उनकी आत्मरक्षा से संबंधित तरीकों को समझाया गया और सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन 1930 साइबर हेल्पलाइन 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन 108 एंबुलेंस सेवा आदि की जानकारी एवं गतिविधि करायी गई। प्रगति के पंख, अरमान माड्यूल, आधाफुल कामिंक बुक, वीरांगना पोर्टल पर भी चर्चा हुई।

संदर्भदाता मंजू वर्मा, बीना वर्मा माधौगंज नोडल मनोज प्रताप सिंह, नीरज गुप्ता, निखिल सिंह मौजूद रहे। उच्च प्राथमिक विद्यालय सदरियापुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक नीरज गुप्ता द्वारा संदर्भदाता मंजू वर्मा ने बीना वर्मा का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया।

बिलग्राम-कटरा बिल्हौर मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, बस-ट्रक की आमने-सामने टक्कर में 10 घायल, 2 की हालत गंभीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। बिलग्राम-कटरा बिल्हौर मार्ग पर चांदपुर गांव के पास सोमवार को एक प्राइवेट बस और ट्रक की आमने.सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में बस सवार 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को बस से बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से सभी को आनन-फानन में बिलग्राम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी पहुंचाया।

घायलों में अकील (28) पुत्र वकील निवासी एसडीएम कॉलोनी बिलग्राम, विनोद (28) पुत्र महेश निवासी मोहकमपुर थाना सुरसा, सुलेमान (25) पुत्र कय्यूम निवासी एसडीएम कॉलोनी बिलग्राम, विपिन कुमार (32) पुत्र सर्वधान निवासी मसूदपुर थाना सांडी, अंशिका (15) पुत्री जितेंद्र निवासी मोहल्ला मलकंठ बिलग्राम, रामौतार (75) पुत्र गज्जू निवासी सांप खेड़ा बिलग्राम, राजेंद्र प्रसाद (65) पुत्र भिखारी निवासी सांसेड़ा थाना बिलग्राम, श्यामसुंदर (26) पुत्र विश्राम निवासी कोकी पुरवा थाना शहर कोतवाली हरदोई, आजाद (45) पुत्र श्री गणेश प्रसाद निवासी आलू मिल कासुपेट बिलग्राम तथा मुशर्राफिन (30) पुत्र क्षांगु निवासी मोहल्ला मलकंठ शामिल हैं।

बताया गया कि अधिकांश यात्री मजदूरी, पढ़ाई या शिक्षण कार्य के लिए माधोगंज की ओर जा रहे थे। चांदपुर गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक से बस की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारु कराया।

सीएचसी में चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया। जांच के बाद आजाद और राजेंद्र प्रसाद की हालत गंभीर पाए जाने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों का उपचार सीएचसी में जारी है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

समय अवधि निकलने के बाद 12 ग्राम पंचायत सचिवों ने डोंगल जमा किये

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिछले 15 दिनों से सत्याग्रह आंदोलन कर रहे ग्राम पंचायत सचिवों ने समय अवधि पूरी होने पर सोमवार को खंड विकास अधिकारी को अपने डोंगल सौंप दिए। डोंगल जमा करने वालों में 12 ग्राम पंचायत सचिव शामिल है। ऑनलाइन उपस्थिति एवं अन्य विभागीय कार्यों के विरोध में उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत सचिव संगठन के आह्वान पर शाहाबाद ब्लॉक के ग्राम पंचायत सचिव सांकेतिक सत्याग्रह कर रहे थे। इस संबंध में उन्होंने विभिन्न तरीकों से अपना आंदोलन जारी रखा। संगठन की ओर से 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तक तिथि निर्धारित की गई थी। निर्धारित अवधि के अंदर ग्राम पंचायत सचिवों की कोई भी मांग पूरी नहीं हुई जिससे आज संगठन के निर्देश पर 12 ग्राम पंचायत सचिवों ने डीएससी/डोंगल खंड विकास अधिकारी को सौंप दिए। इस मौके पर नितांत रस्तोगी, सुनील पाल, विकास त्रिपाठी, हर्षित सिंह, मोहम्मद साजिद, एखलाक सिद्दीकी, अंकित कुमार, मनोहर लाल, विजय सिंह यादव, अमर सिंह एवं अफ्फान फारूक आदि शामिल है।

युवती लापता, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के संबध में पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है। पीड़ित पिता के अनुसार 10 दिसंबर की दोपहर उसकी 25 वर्षीय पुत्री घर से मानपुर दवा लेने गई थी। तब से वापस घर लौट कर नहीं आई। अपनी पुत्री को काफी तलाश किया तब पता चला थाना क्षेत्र के ग्राम तौकल पुर निवासी रनवीर पुत्र जागन उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है। 12 दिसंबर को वह आरोपी के घर पूछताछ करने गया तो विपक्षी जागन और उसके भाई राय सिंह व जमनलाल ने गाली गलौज किया। पीड़ित पिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

दुर्घटना करने वाले बाइक चालक पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला बाजार संभा निवासी युवकों की बाइक में टक्कर मारकर दो भाइयों को घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित अमित कुमार पुत्र रामकिशोर के अनुसार 21 नवंबर को उसका बड़ा भाई जितेंद्र कुमार और छोटा भाई राहुल कुमार बाइक से पिहानी जा रहे थे। बाइक राहुल चला रहा था। रेलवे ओवर ब्रिज से नीचे उतरते समय सामने से आ रही बाइक के चालक सुहेल खां ने लापरवाही और तेज रफ्तार से उसकी बाइक में टक्कर मार दी। आरोपी की बाइक पर मुल्तान खां पीछे बैठा था। एक्सीडेंट में दोनों भाई घायल हो गए जिन्हें एंबुलेंस से सीएचसी शाहाबाद ले जाया गया। उसके बड़े भाई जितेंद्र की हालत गंभीर देखते हुए उसे डाक्टरों ने शाहजहांपुर रेफर कर दिया। बड़े भाई का इलाज अभी भी डाक्टर राकेश दीक्षित के अस्पताल में चल रहा है। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक और उसके साथी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूटी सवार महिला बस से टकराकर घायल

माधौगंज (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बस चालक के अचानक ब्रेक लगाने से स्कूटी से जा रही महिला बस में टकरा गई। टक्कर लगने से वह घायल हो गई। हरदोई सदर कोतवाली के मोहल्ला काशीपुर निवासी आस्था त्रिपाठी पुत्री भूपेश त्रिपाठी मल्लावा की और स्कूटी से जा रही थी। तभी माधौगंज थाने के निकट आगे चल रही प्राइवेट बस के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया जिससे स्कूटी चला रही महिला बस के पीछे टकरा कर घायल हो गयी। पुलिस ने महिला को इलाज के लिए सीएचसी भेजा जहा डॉक्टर अरुण मोहन ने जिला अस्पताल रिफर कर दिया।

भू-माफियाओं का गिरोह सक्रिय, विवादित जमीनों को खरीद कर कब्जेदारी का खेल

बुध बाजार की इसी जमीन पर चल रहा है विवाद फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। नगर क्षेत्र में पिछले दो वर्षों से भूमाफियाओं का एक ऐसा गिरोह सक्रिय हुआ है जो विवादित जमीनों को खरीद कर सत्ता संरक्षण और पुलिस से सांठ-गांठ करके कब्जा कर रहा है। असली हकदारों को पुलिस से परेशान करवा भारी रकम कमा रहा है। ऐसा ही एक वाकया मोहल्ला बुध बाजार का सामने आया है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष की जमीन पर ही भूमाफियाओं द्वारा कब्जा किया गया। जबकि मामला न्यायालय में बिचारा

धीन है। मौके पर पुलिस से विवाद हुआ जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल देखा जा सकता है। शाहाबाद नगर क्षेत्र के मोहल्ला बुध बाजार निवासी भाजपा बूथ अध्यक्ष रामकरण कुशवाहा के अनुसार पिछले 50 वर्षों से जिस जमीन पर वह पुश्तैनी काबिज है। मकान बना है उस जमीन को सर्वेश नाम के एक व्यक्ति ने विवादित जमीन खरीदने वाले भूमाफियाओं को बिक्री कर दिया। भूमाफियाओं ने सत्ता संरक्षण का हौआ दिखाकर उस पर कब्जा कर लिया। भू-माफियाओं ने कब्जे के दौरान बूथ अध्यक्ष का सरकारी शौचालय भी तोड़ दिया। उल्टा कोतवाली पुलिस बूथ अध्यक्ष और उसके परिजनों को पकड़ कर कोतवाली ले गई। दोनों पक्षों शांति भंग में चालान कर दिया गया। बूथ अध्यक्ष रामकरण कुशवाहा का आरोप है पुलिस द्वारा उसकी पिटाई की गई। 13 दिसंबर को बूथ अध्यक्ष पर कबजेदारी के लिए बनाई गई बाउंड्री वॉल गिराने का आरोप लगाए पुलिस मौके पर पहुंची तो बहुत अध्यक्ष की ओर से भाजपा के ही एक वरिष्ठ कार्यकर्ता अमित मिश्रा भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने पुलिस कर्मियों को काफी कुछ सुनाया। पुलिस से नोंक झोंक का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में भूमाफिया स्पष्ट रूप से खड़े हुए दिखाई दे रहे थे। सोमवार को रामकरण कुशवाहा अपने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक से मिला और फरियाद की। पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी शाहाबाद आलोक राज नारायण को प्रकरण की जांच सौंपी है।

विवादित जमीनों पर किया जा रहा कब्जा

पिछले काफी दिनों से देखा जा रहा है कि विवादित जमीनों को सस्ते दामों में खरीद कर उन पर कब्जा करने का खेल चल रहा है। विवादित जमीनों को खरीदने वाला एक गिरोह पिछले दो वर्ष से शाहाबाद में सक्रिय है जिसका यही काम है। दो पक्षों में एक पक्ष से जमीन का एग्रीमेंट करा कर और दूसरे पक्ष को पुलिस तथा सत्ता का हौआ दिखाकर कब्जा करने का खेल चल रहा है।

बोले प्रभारी निरीक्षक

इस सिलसिले में प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह का कहना है जमीन के विवाद में दोनों पक्षों का शांति भंग में चालान किया गया। किसी भी पक्ष को पुलिस ने पीटा नहीं है। पिटाई का आरोप बेबुनियाद है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै मुन्नू लाल आयु 55 वर्ष पुत्र राम सहाय, पताः- ग्राम डूडी बरिया, पोस्ट मंगोलापुर, थाना कोतवाली देहात, जिला-हरदोई का निवासी हूँ। मेरी पुत्री काजोल आयु 23 वर्ष जोकि बालिग़ है, का चाल चलन ठीक नहीं है जिसने गैर बिरादरी मे शादी कर ली है। मेरी पुत्री काजोल के चाल-चलन व व्यवहार से असंतुष्ट होने के कारण मैने सोच समझ कर व बिना किसी दबाव के अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। अब भविष्य में मेरी पुत्री काजल द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कृत्य, लेन-देन से मेरा व मेरे परिवारीजनों का कोई सरोकार नहीं होगा, वह स्वयं ही जिम्मेदार होगी।

डिवाइडर से टकराकर दो बाइक सवार घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग के इंडस्ट्रियल एरिया में फ्लाईओवर के ऊपर डिवाइडर से टकराकर दो बाइक सवार घायल हो गए! जिन्हें उप जिलाधिकारी संडीला की सूचना पर राजस्व कर्मियों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना पहुंचाया गया! प्राप्त जानकारी के अनुसार कछौना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत संडीला औद्योगिक क्षेत्र में मोहित पुत्र विपिन व इंद्रपाल पुत्र सुमेर निवासी ओमपुरी, नानकगंज झाला हरदोई सोमवार की शाम अपने निजी काम निपटाकर संडीला से घर वापस लौट रहे थे! तभी अनियंत्रित बाइक फ्लाई ओवर के ऊपर बने डिवाइडर से टकरा गई! जिसमें मोहित (45) के चेहरे व पैर में गंभीर चोट आई है तथा उनके साथी इंद्रपाल के हाथ में चोट आने से दोनों बुरी तरह घायल हो गए! घायलों को तड़पता देख उधर से गुजर रहीं उपजिलाधिकारी संडीला नारायणी भाटिया ने तत्काल इसकी सूचना पर राजस्व कर्मी अनूप शुक्ला व फिरोज को दी! सूचना पर पहुचे राजस्वकर्मियों द्वारा घायलों को अपनी निजी कार से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया! जहां उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है! सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना के अधीक्षक शैलेन्द्र शुक्ला ने बताया कि घायलों का उपचार किया जा रहा है दोनों घायल खतरे से बाहर हैं!

पीड़ा से मुक्ति

देश में लंबे समय से यह मुद्दा सार्वजनिक विमर्श में रहा है कि विषम परिस्थितियों में एक त्रासदी से मुक्ति हेतु इच्छामृत्यु की अनुमति दी जाए या नहीं। समय-समय पर अदालती फैसलों ने मार्गदर्शक भूमिका निभाई है। साथ ही कोशिश की गई है कि इस छूट का दुरुपयोग न किया जा सके। हाल ही में एक ज्वलंत प्रसंग पर सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट टिप्पणी थी कि हमें अब कुछ करना होगा, इस तरह के त्रासद जीवन की कोई तार्किकता नहीं है। दरअसल, यह मामला एक 32 वर्षीय युवक का है, जो पिछले 13 सालों से कोमा जैसी स्थिति में है। यह अब केवल महज चिकित्सीय त्रासदी का मामला नहीं रह गया है। अब यह एक महत्वपूर्ण कानूनी और नैतिक प्रश्न भी बन चुका है। निश्चित रूप से शीर्ष अदालत की टिप्पणी देश में जीवन के अंतिम क्षणों में गरिमापूर्ण व्यवहार के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। निश्चय ही यह प्रसंग अतीत में बहुचर्चित अरुणा शानबाग के मामले की यादें फिर से ताजा कर देता है। इस प्रसंग ने ही देश को पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु के प्रश्न का सामना करने के लिये बाध्य किया था। वर्ष 2011 में, सुप्रीम कोर्ट ने अरुणा शानबाग के मामले में फैसला सुनाते हुए, सैद्धांतिक रूप से निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। दरअसल, अरुणा शानबाग एक भयानक हमले के बाद से ही 42 वर्षों से कोमा जैसी स्थिति में रही थीं। भले ही अदालत ने इस मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी, लेकिन साथ ही उसके साथ कुछ प्रतिबंधात्मक सुरक्षा उपायों के अनुपालन के भी निर्देश दिए थे। निश्चित रूप से इस मामले में अदालती फैसला नैतिक प्रेरणा का स्रोत भी बना। कालांतर में जिसके चलते वर्ष 2018 में एक संविधान पीठ ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता प्रदान की। साथ ही इसके लिये एक आवश्यक प्रक्रिया भी निर्धारित की थी। जिसका मकसद था कि समाज में कहीं इस छूट का दुरुपयोग आपराधिक स्वार्थों के लिये न किया जा सके। वर्ष 2023 में, अदालत ने इन दिशानिर्देशों को और सरल बनाने का प्रयास किया। जिसमें इस बात पर बल दिया गया कि प्राथमिक और माध्यमिक चिकित्सा बोर्डों द्वारा स्थिति के मूल्यांकन की आवश्यकता रहेगी। फिलहाल देश में वही प्रक्रिया आज भी चल रही है। बहरहाल, वर्तमान मामले में बार-बार की गई अपीलें, इससे जुड़ी खामियों को भी उजागर करती हैं। दरअसल, ऐसे मामलों में पीड़ित को घर में दी जाने वाली देखभाल अपर्याप्त ही साबित होती है। वहीं दूसरी ओर राज्य का समर्थन भी पर्याप्त नहीं रहा है। इसके अलावा ऐसे मामलों से जुड़ी अनसुलझी नैतिक दुविधाएं असमंजस की स्थिति पैदा करती रही हैं। निस्संदेह, इस मामले में किसी युवा वयस्क के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की पहली स्पष्ट स्वीकृति हो सकती है। आज देश में हजारों मरीज कोमा जैसी अवस्था में नारकीय जीवन जी रहे हैं। जो उनके परिवारों के लिये भी एक त्रासदी की स्थिति है। जहां परिवार एक ओर भावनात्मक संकट से जूझ रहे होते हैं, वहीं रोगी के उपचार से जनित आर्थिक बोझ भी निरंतर बढ़ता जाता है। दूसरी ओर संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार पर भी सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, अदालत को जटिल परिस्थितियों में जैविक अस्तित्व के कठोर विस्तार के बजाय रोगी की मुक्ति और परिवार की पीड़ा को प्राथमिकता देनी चाहिए। ऐसे में यदि एम्स 17 दिसंबर तक मामले में जीवन की निरर्थकता की पुष्टि करता है, तो निष्क्रिय इच्छामृत्यु की स्वीकृति एक मिसाल कायम कर सकती है। इसके बाद दुरुपयोग के खिलाफ सुरक्षा उपायों को भी स्पष्ट किया जा सकेगा। साथ ही जीवन के अंतिम विकल्पों का सम्मान किया जा सकेगा। देश के नीति-नियंताओं को कोमा जैसी अवस्था में सालों जूझते लोगों के मामले में स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए, जिससे ऐसे रोगियों की उपचारात्मक देखभाल और परामर्श को एकीकृत किया जा सके। मानवीय करुणा की मांग है कि जीवन की पवित्रता और पीड़ा की क्रूरता के बीच संतुलन बनाया जाए। इच्छामृत्यु जब सहमति से होगी तो मानवता को कायम रखा जा सकता है। न्यायपालिका को ऐसा न्याय देना चाहिए, जो रोगी को पीड़ा से मुक्त करे और एक करुणामय भविष्य का मार्ग प्रशस्त करे।

> **किसी युवा वयस्क के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की पहली स्पष्ट स्वीकृति हो सकती है। आज देश में हजारों मरीज कोमा जैसी अवस्था में नारकीय जीवन जी रहे हैं। जो उनके परिवारों के लिये भी एक त्रासदी की स्थिति है। जहां परिवार एक ओर भावनात्मक संकट से जूझ रहे होते हैं, वहीं रोगी के उपचार से जनित आर्थिक बोझ भी निरंतर बढ़ता जाता है। दूसरी ओर संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार पर भी सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, अदालत को जटिल परिस्थितियों में जैविक अस्तित्व के कठोर विस्तार के बजाय रोगी की मुक्ति और परिवार की पीड़ा को प्राथमिकता देनी चाहिए।**

क्या सनातन का विरोध और अपमान ही सेक्युलर राजनीति है?

बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दल और अधिक कटु होकर सनातन हिंदू धर्म पर प्रहार कर रहे हैं । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी दो दिवसीय भारत यात्रा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीमद्भगवद्गीता का रूसी अनुवाद भेंट किया। इसको देखकर कांग्रेस और वामपंथी दलों ने न केवल प्रधानमंत्री वरन श्रीमद्भगवद्गीता के प्रति आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग करते हुए इसका विरोध किया। कांग्रेसियों ने गीता के लिए मूल शब्द का प्रयोग किया जो एक अक्षम्य अपराध है। वर्ष 2026 में पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव हैं अतः इन दो प्रान्तों में सनातन प्रतीकों तथा हिन्दू समाज को अपमानित करने का कार्य भी सबसे अधिक और सबसे तेजी से हो रहा है। पश्चिम बंगाल में वहां के तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने गुलामी की मानसिकता से ग्रसित होकर बाबर के नाम की एक मस्जिद की आधारशिला रखी और प्रशासन चुपचाप खड़ा रहा क्योंकि इस हरकत को मुख्यमंत्री का मौन समर्थन था।

मृत्युंजय दीक्षित

भारत विभाजन के साथ मिली स्वाधीनता से कोई सबक न लेते हुए भारत की राजनीति आज तक तुष्टिकरण के आधार पर चलती रही है। मुस्लिम वोट बैंक को प्रसन्न करने के लिए तथाकथित समाजवादी लालू ने सम्मानित नेता आडवाणी जी को जेल में डाल दिया और एक कदम आगे बढ़ते हुए मुलायम सिंह ने निहत्थे रामभक्तों को गोलियों से भुनवा दिया, कांग्रेस साम्प्रदायिक हिंसा बिल ले आई वो तो भला हो उस समय विपक्ष में होने के बाद भी भाजपा ने इसे पारित होने से बचा लिया। मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण ही पाकिस्तान को सटीक उत्तर देने की जगह अमन का तमाशा किया जाता रहा। मात्र इतना ही नहीं मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए भारत की सनातन संस्कृति को अनेकानेक प्रकार से चोट पहुंचाई जाती रही। वर्ष 2014 में केन्द्रीय नेतृत्व प्रदान करते हुए नरेन्द्र मोदी जी ने तुष्टिकरण के कारण सनातन संस्कृति को हुई क्षति की भरपाई करने के प्रयास किए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले दल और अधिक कटु होकर सनातन हिंदू धर्म पर प्रहार कर रहे हैं । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी दो दिवसीय भारत यात्रा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीमद्भगवद्गीता का रूसी अनुवाद भेंट किया। इसको देखकर कांग्रेस और वामपंथी दलों ने न केवल प्रधानमंत्री वरन श्रीमद्भगवद्गीता के प्रति आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग करते हुए इसका विरोध किया। कांग्रेसियों ने गीता के लिए मूल शब्द का प्रयोग किया जो एक अक्षम्य अपराध है। वर्ष 2026 में पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव हैं अतः इन दो प्रान्तों में सनातन प्रतीकों तथा हिन्दू समाज को अपमानित करने का कार्य भी सबसे अधिक और सबसे तेजी से हो रहा है। पश्चिम बंगाल में वहां के तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने गुलामी की मानसिकता से ग्रसित होकर बाबर के नाम की एक मस्जिद की आधारशिला रखी और प्रशासन चुपचाप खड़ा रहा क्योंकि इस हरकत को मुख्यमंत्री का मौन समर्थन था। उसकी देखादेखी बिहार और तेलंगना में भी कुछ कट्टरपंथी मौलानाओं ने बाबरी नाम की मस्जिद व स्मारक बनाने का ऐलान करके साप्रंदायिक तनाव बढ़ाने का काम आरम्भ कर दिया है। इस बाबरी भूत को वह सभी दल प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से समर्थन दे रहे हैं जिनकी राजनीति मुस्लिम तुष्टिकरण से चलती है और जो संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते हैं। उत्तर प्रदेश में सपा मुखिया सपरिवार शौर्य दिवस को सलीम चिश्ती की दरगाह पर चादर चढ़ाकर हिन्दुओं को चिढ़ाते दिखे । सपा मुखिया का तुष्टिकरण में संलिप्त यह कृत्य जनता समझ रही है। सपा मुखिया समय समय पर ऐसे बयान देते रहते हैं जिससे सनातन हिन्दू समाज आहत हो। महाकुंभ से लेकर लेकर अयोध्या के दीपोत्सव तक उन्होंने हिन्दू परम्पराओं का उपहास करते हुए उन्हें ढोंग बताया। वहीं कांग्रेस ने तो हिंदू सनातन आस्था के सभी केन्द्रों का अपमान करने की सुपारी ही ले रखी है। कर्नाटक में तो मुस्लिम तुष्टिकरण का खुला खेल चल ही रहा है। हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह 'सुक्खू' को हिंदू बच्चों के राधे -राधे बोलने पर आपत्ति है। तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी लगातार सनातन और हिंदुओं के विरुद्ध आग उगल रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने हिंदुओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा कि हर व्यक्ति और हर काम के लिए एक अलग भगवान होता है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा हिंदू कितने भगवानों को मानते हैं ?

तीन करोड़ हैं, इतने सारे क्यों हैं? जो लोग विवाहित हैं उनके लिए एक भगवान है हनुमान, जो लोग दो शादी करते हैं उनके लिए अलग भगवान हैं और जो लोग शराब पीते हैं वह मुर्गी खाते हैं उनके लिए अलग भगवान हैं। हर ग्रुप का अलग भगवान है। रेड्डी के बयान से हिंदुओं की भावनाओं का आहत होना स्वाभाविक था । हिंदू संगठनों ने मुख्यमंत्री से माफी मांगने को कहा किंतु मुस्लिम परस्त रेवंत रेड्डी अपने बयान पर कायम हैं। उधर तमिलनाडु में भगवान मुरुगन के मंदिर में दीप जलाने को लेकर द्रमुक सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए न्यायालय की भी अवहेलना कर रही है। तमिलनाडु से ही हिन्दू और सनातन समाज को डेंगू -मलेरिया जैसे रोगों की संज्ञा दी जाती रही है। आश्चर्य की बात ये है कि सनातन हिन्दू धर्म का अपमान करने वाली इस राजनीति को ल्सेक्युलरङ्क कहा जाता है। छद्म धर्मनिरपेक्षता का ये खेल लम्बा चल चुका है अब इसे समाप्त होना ही होगा।

बीजेपी का नया अध्यायः कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन

संजय सक्सेना

भारतीय जनता पार्टी के सबसे युवा नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन (45 वर्ष) आज दिल्ली में पूरे दिन व्यस्त रहेंगे, जहां जगह-जगह उनका पार्टी कार्यकर्ता भव्य स्वागत करेंगे। वहीं नबीन पार्टी के कई बड़े नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। नबीन के नाम की घोषणा गत दिवस रविवार 13 दिसंबर को ही की गई थी। नबीन के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पार्टी के तमाम नेताओं ने उन्हें बधाई दी है। नबीन को उस समय अध्यक्ष बनाया गया है, जब 2029 के आम चुनाव के अलावा करीब सवा साल में कई महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होना है, जिसमें पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्य शामिल हैं। नितिन नबीन के लिए उनकी कार्यकारी अध्यक्ष पद पर ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं रही। वैसे नबीन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित बीजेपी के कई नेताओं के अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भी काफी करीबी हैं। उम्मीद है कि अगले वर्ष बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव होगा और नबीन को औपचारिक रूप से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया जाएगा। जैसे कि जेपी नड्डा के साथ हुआ था, उनके अध्यक्ष बनाए जाने से पूर्व उन्हें भी पहले कार्यकारी अध्यक्ष ही बनाया गया था। बहरहाल, भारतीय जनता पार्टी ने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए नितिन नबीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है, जिससे पार्टी के छोटे से छोटे कार्यकर्ता में भी उत्साह का माहौल है। बीजेपी कार्यकर्ता कह रहे हैं कि यह पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान है। नबीन की नियुक्ति भाजपा की रणनीतिक सोच को दर्शाती है, खासकर बिहार और पूर्वी भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने के संदर्भ में। नितिन नबीन, जो वर्तमान में बिहार की नीतीश कुमार सरकार में मंत्री हैं, कायस्थ समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और उनके पिता भी भाजपा के प्रमुख नेताओं में शुमार रहे। उनकी यह नियुक्ति न केवल पार्टी के भीतर नई ऊर्जा का संचार करेगी, बल्कि विपक्षी दलों को भी सोचने पर मजबूर कर देगी। नितिन नबीन का जन्म बिहार के एक प्रमुख कायस्थ परिवार में हुआ। कायस्थ कुल में जन्मे नबीन ने बचपन से ही राजनीतिक माहौल में पलने-बढ़ने का अनुभव किया। उनके पिता, जिन्हें बिहार भाजपा में बड़े नेता के रूप में जाना जाता था, ने लंबे समय तक पार्टी को मजबूत आधार प्रदान किया। पिता की सक्रियता के कारण नबीन को कम उम्र से ही संगठनात्मक कार्यों का हिस्सा बनने का मौका मिला। बिहार की राजनीति, जो जातिगत समीकरणों पर टिकी हुई है, में कायस्थ समुदाय का महत्व हमेशा से रहा है। नबीन ने इस विरासत को संभालते हुए अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद सीधे राजनीति में कूद पड़े, जहां उनकी मेहनत और दूरदर्शिता ने जल्द ही सबका ध्यान खींचा। बिहार की नीतीश कुमार सरकार में मंत्री के रूप में नितिन नबीन का कार्यकाल उल्लेखनीय रहा है। एनडीए गठबंधन के हिस्से के तौर पर वे विकास कार्यों में सक्रिय रहे। ग्रामीण विकास, शिक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में उनकी योजनाओं ने सराहना बटोरी। लेकिन उनकी असली ताकत संगठनात्मक क्षमता में है। भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर स्पष्ट संदेश दिया है कि वे बिहार मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर दोहराना चाहते हैं। नबीन की नियुक्ति से पूर्वी भारत में पार्टी की चुनावी रणनीति को नया आयाम मिलेगा। बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी के बीच यह कदम विपक्ष, खासकर आरजेडी और कांग्रेस को चुनौती देता है। नितिन नबीन की राजनीतिक यात्रा संघर्षों से भरी रही। 1990 के दशक में जब बिहार लालू प्रसाद यादव के राज में डूबा हुआ था, तब नबीन ने भाजपा के आधार को मजबूत करने में योगदान दिया। उनके पिता की छत्रछाया में उन्होंने जिला स्तर से काम शुरू किया। पटना और अन्य जिलों में वे युवा कार्यकर्ताओं को संगठित करने में माहिर साबित हुए। 2000 के बाद जब नीतीश कुमार सत्ता में आए, तो भाजपा-जेडीयू गठबंधन ने बिहार को नई दिशा दी। नबीन इस गठबंधन के मजबूत स्तंभ बने रहे। मंत्री बनने के बाद उन्होंने कई अहम फैसलों में भी अपनी भूमिका निभाई, जैसे कि प्रवासी मजदूरों की वापसी के दौरान राहत कार्य। कोरोना महामारी में उनकी सक्रियता ने उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बनाया। बात नबीन के बिहार कनेक्शन की की जाए तो कायस्थ समुदाय का बिहार राजनीति में विशेष स्थान है। नबीन का इस कुल से जुड़ाव उन्हें एक ब्रिज की भूमिका देता है। वे न केवल हिंदू एकता का प्रतीक हैं, बल्कि सामाजिक न्याय के मुद्दों पर भी मुखर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनकी नियुक्ति को संगठन का नया अध्याय बताया। नबीन अब दिल्ली से पार्टी के राष्ट्रीय कार्यों का संचालन करेंगे, लेकिन बिहार पर उनकी नजर बनी रहेगी। आगामी लोकसभा चुनावों में पूर्वांचल सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका अहम होगी। नबीन ने नियुक्ति स्वीकार करते हुए कहा कि वे अमित शाह के मार्गदर्शन में काम करेंगे और पार्टी को और मजबूत बनाएंगे। नितिन नबीन की व्यक्तिगत जिंदगी भी प्रेरणादायक है। वे एक सादगीपूर्ण जीवन जीते हैं। परिवार के साथ रहते हुए वे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं। कायस्थ परंपराओं का पालन करते हुए उन्होंने शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में कई पहल की। बिहार के स्कूलों में कायस्थ इतिहास को शामिल करने की उनकी मांग चर्चा में रही। राजनीति में आने से पहले वे एक छोटे व्यवसाय से जुड़े थे, जो उनकी जमीनी समझ को दर्शाता है। पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने परिवार की विरासत संभाली और भाजपा को नया रूप दिया। उनकी पत्नी भी सामाजिक कार्यों में सहयोग करती हैं, जो नबीन की मजबूत पारिवारिक पृष्ठभूमि को दिखाता है। भाजपा की यह नियुक्ति समयबद्ध है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। नीतीश कुमार के साथ गठबंधन को मजबूत रखते हुए भाजपा नबीन के जरिए कायस्थ, भूमिहार और अन्य ऊंची जातियों को एकजुट करना चाहती है। नबीन की संगठनात्मक क्षमता राम विलास पासवान की तरह प्रभावी साबित हो सकती है। विपक्षी नेता तेजस्वी यादव ने इसे भाजपा का बिहार फोकस बताया, लेकिन नबीन ने पलटवार करते हुए कहा कि विकास ही असली मुद्दा है। उनकी नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। युवा मोर्चा से लेकर महिला मोर्चा तक सभी इकाइयां सक्रिय हो गई हैं। राष्ट्रीय स्तर पर नितिन नबीन को कई चुनौतियां मिलेंगी। विपक्ष का मुस्लिम-यादव समीकरण तोड़ना होगा। वे अपनी मंत्रीगिरी के अनुभव से नीतिगत मुद्दों पर फोकस करेंगे। किसान कल्याण, महिला सशक्तिकरण और डिजिटल इंडिया जैसे क्षेत्रों में उनकी योजनाएं सामने आ सकती हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अभियान ल्संकल्प पत्रङ्क को लागू करने में नबीन की भूमिका बढ़ेगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में क्रॉस-बॉर्डर रणनीति पर काम तेज होगा। नबीन ने कहा कि वे संघ परिवार के मूल्यों को प्राथमिकता देंगे। उनकी नियुक्ति से भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी मजबूत लग रहा है। कुल मिलाकर नितिन नबीन का भविष्य उज्ज्वल दिखता है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में वे अमित शाह के बाद दूसरे नंबर के नेता बन सकते हैं। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार के बाद उनकी दावेदारी मजबूत हो गई है। कायस्थ समुदाय उन्हें अपना नया चेहरा मान रहा है। पार्टी आंतरिक कलह से जूझ रही थी, नबीन उसे एकजुट करने में सफल होंगे। उनकी कहानी संघर्ष से सत्ता तक की यात्रा है। बिहार के गांवों से निकलकर दिल्ली पहुंचना आसान नहीं। नबीन ने साबित कर दिया कि मेहनत और संगठन से सब संभव है। भाजपा कार्यकर्ता उनकी अगुवाई में नई ऊंचाइयों को छूने को तैयार हैं। उम्मीद यह भी की जा रही है कि अगले वर्ष की शुरुआत में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा और नबीन को औपचारिक रूप से पार्टी का अध्यक्ष घोषित कर दिया जाएगा।

हकीकत में कितनी गहराई है नैनी झील की?

प्रयाग पाण्डे

नैनी झील, नैनीताल की संजीवनी है। यहां का प्राण है। नैनीताल का संपूर्ण जीवन-चक्र नैनी झील के इर्द-गिर्द ही घूमता है। इसका अनुपम नैसर्गिक सौंदर्य देशी-विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र है। नैनी झील यहां के बाशिंदों को रोजी- रोटी, भोजन- पानी, पहचान और आत्म सम्मान देती है। नैनी झील की सेहत और खूबसूरती से ही नैनीताल की खूबसूरती है।

जब राजनीतिक नेतृत्व जन सरोकारों से जुड़े विषयों के प्रति उदासीन हो जाता है तो कार्यपालिका प्रयोगधर्मी हो जाती है। सरकारी अधिकारी अपने बुनियादी दायित्वों को तिलांजलि दे कर मनमर्जी करने लगते हैं। कुछ अरसा पहले सिंचाई विभाग के इंजीनियरों द्वारा विश्व विख्यात नैनी झील के जलस्तर को मापने का ब्रिटिशकालीन पैमाना बदलना और नैनी झील की वर्तमान अधिकतम गहराई को लेकर विरोधाभासी दावे इस बात की बानगी हैं। नैनी झील, नैनीताल की संजीवनी है। यहां का प्राण है। नैनीताल का संपूर्ण जीवन-चक्र नैनी झील के इर्द-गिर्द ही घूमता है। इसका अनुपम नैसर्गिक सौंदर्य देशी-विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र है। नैनी झील यहां के बाशिंदों को रोजी- रोटी, भोजन- पानी, पहचान और आत्म सम्मान देती है। नैनी झील की सेहत और खूबसूरती से ही नैनीताल की खूबसूरती है। पर्यटन है, रोजगार है। सालाना अरबों का कारोबार है। नैनीताल का वजूद झील पर ही टिका है। नैनी झील को सुरक्षित एवं संरक्षित कर इसे दीर्घायु बनाने के प्रयत्न करने के बजाय उत्तराखंड का सिंचाई विभाग नैनी झील को लेकर निरर्थक नए प्रयोग करने पर आमादा है। कुछ महीने पहले स्थानीय अखबारों में छपी खबरों के मुताबिक सिंचाई विभाग ने झील के जल स्तर को मापने का पैमाना बदल दिया है। झील की अधिकतम गहराई को जल स्तर मापने का नया पैमाना बना दिया है। सिंचाई विभाग द्वारा बताई जा रही नैनी झील की वर्तमान में अधिकतम गहराई का आंकड़ा संदेहास्पद प्रतीत होता है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान अंग्रेजों ने भारत में अनेक हिल स्टेशन बसाए। उसी क्रम में अंग्रेजों ने नैनीताल को भी एक सुव्यवस्थित हिल स्टेशन के रूप में बसाया और संवारा। अंग्रेजों ने इस नगर के दीर्घ जीवन के लिए यहां की खूबसूरत झील, पहाड़ियों, नालों एवं झील के जल संग्रहण क्षेत्र के लिए वैज्ञानिक आधार पर व्यवस्थाएं बनाई। उन पर ईमानदारी के साथ अमल भी किया। विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अंग्रेज अधिकारियों ने गहन अध्ययन एवं शोध के बाद नैनीताल की झील, पहाड़ियों एवं नालों की सुरक्षा के लिए सख्त नियम-कानून बनाए। अंग्रेज इंजीनियरों ने नैनी झील के प्राकृतिक जल निकास बिंदु को छोड़कर संपूर्ण झील के चारों ओर बारह फिट ऊंची दीवार बनाई। झील के प्राकृतिक निकास स्थल पर अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए 15''x 30'' के पांच निकासी गेट बनाए। अंग्रेज इंजीनियरों ने झील के प्राकृतिक निकास बिंदु के तल को शून्य जल स्तर मानते हुए इससे ऊपर के पानी को झील के जल स्तर का पैमाना माना। इस पैमाने के अनुसार झील के जल स्तर को नापने के लिए 12 फिट ऊंचा गेज लगाया गया। झील के जल स्तर की निगरानी के लिए वहां कंट्रोल रूम बनाया गया। इस कंट्रोल रूम से झील के जल स्तर की चौबीसों घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई। अंग्रेजी शासनकाल में झील के जल स्तर का प्रति घंटे का चार्ट बनता था। साल के किस महीने और किस तारीख को झील का अधिकतम जलस्तर कितना होना चाहिए, इसके लिए बाकायदा नियम बनाए गए थे। निर्धारित सीमा से अधिक पानी होने की स्थिति में झील से अतिरिक्त पानी की निकासी कर दी जाती थी। कंट्रोल रूम झील के जल स्तर और निकासी गेटों की चौबीसों घंटे निगरानी करता था। झील के प्राकृतिक निकास के तल को शून्य जलस्तर मानते हुए पानी इससे कम हो जाने पर जल स्तर को ऋणात्मक माना जाता था। यानी शून्य से नीचे। अंग्रेजी शासनकाल में बनी यह व्यवस्था कुछ दशक पूर्व तक सुचारू रूप से चलती रही। लेकिन अब सिंचाई विभाग के प्रयोगधर्मी अभियंताओं को 'शून्य से नीचे' शब्द नहीं भा रहा है। 'शून्य से नीचे' शब्द से छूटकारा पाने की मंशा से सिंचाई विभाग के इंजीनियरों ने अर्थहीन और सतही तरीका खोज निकाला है। अंग्रेजों ने हर साल नैनी झील की लंबाई, चौड़ाई और गहराई नापने का नियम बनाया था। झील की नाप-जोख के लिए झील की सतह पर अलग-अलग स्थानों पर बीस पिलर बनाए गए थे। तब नियमित रूप से हर साल झील की लंबाई, चौड़ाई एवं गहराई नापी जाती थी। सिंचाई विभाग ने झील की नाप-जोख के लिए झील की सतह पर पिलर होने से इनकार किया है। यह दीगर बात है कि देखरेख के अभाव में मौजूदा समय में ब्रिटिशकालीन पिलर अस्तित्वविहीन हो गए हैं, लेकिन यह सच है कि पिलर बने थे। जब झील का प्रबंधन लोक निर्माण विभाग के पास था, ने 28 व 29 दिसंबर,1998 को अंतिम बार झील की नाप-जोख अंग्रेजी शासनकाल में बने इन सांकेतिक पिलरों के आधार पर ही की थी। 2017- 18 में अज्ञात कारणों के चलते नैनी झील का प्रबंधन सिंचाई विभाग को सौंप दिया गया। गर्मियों के मौसम में आमतौर पर झील का जलस्तर शून्य से कई फिट नीचे चला जाता है। संचार माध्यमों में इस आशय की खबरें छपती हैं। कहा जा रहा है कि इस हकीकत को छिपाने के लिए सिंचाई विभाग ने ब्रिटिश शासनकाल से चले आ रहे 'शून्य' के इस पैमाने को ही बदल दिया है। सिंचाई विभाग के इंजीनियरों ने अब नैनी झील की कथित अधिकतम गहराई को झील का जलस्तर मान लिया है। सिंचाई विभाग ने झील की अधिकतम गहराई 89 फिट घोषित की है। बकौल सिंचाई विभाग भविष्य में झील के जल स्तर को मापने का नया पैमाना झील की कथित अधिकतम गहराई 89 फीट मानी जाएगी। सिंचाई विभाग ने लेक कंट्रोल रूम के नीचे ब्रिटिश शासनकाल के दौरान लगे 12 फिट के गेज/पैमाने को निकाल कर उसके स्थान पर नया गेज/ पैमाना लगा दिया है, जिसमें झील की अधिकतम गहराई 89 फीट दर्शाई गई है। प्रश्न यह है कि सिंचाई विभाग ने झील की वर्तमान समय में अधिकतम गहराई 89 फिट कैसे आंकी? इस संबंध में सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत मांगी गई जानकारी में सिंचाई विभाग ने 15 जुलाई, 2025 को बताया है कि सिंचाई विभाग ने वर्ष 2018 में ए.एच.ई.सी.(आईआईटी,रुड़की) एन.आई.एच, रुड़की और आई.सी.ए.आर, देहरादून ने नैनी झील का बाथीमीट्रिक सर्वे कराया था। इस सर्वे के अनुसार नैनी झील की अधिकतम गहराई 27.15 मीटर यानी 89 फीट डेढ़ इंच है। जबकि 28 व 29 दिसंबर, 1998 में लोक निर्माण विभाग ने नैनी झील की नाप-जोख की थी, तब लोक निर्माण विभाग ने झील की अधिकतम गहराई 25.80 मीटर यानी 84 फीट आठ इंच नापी थी। इन बीस सालों में झील की गहराई हैरतअंगेज तरीके से करीब साढ़े चार फीट कैसे बढ़ गई? झील की गहराई में करीब साढ़े चार फीट की यह कथित बढ़ोतरी यकीनन चौंकाने वाली है। काबिल-ए- गौर यह है कि 1998 में नैनीताल नगर में मकानों की संख्या करीब साढ़े तीन हजार के आसपास थी। 2018 तक यहां मकानों की संख्या तकरीबन दुगुनी हो गई थी। वर्तमान में यहां मकानों की संख्या 1998 के मुकाबले करीब ढाई गुनी से अधिक हो गई है। इसी अनुपात में जनसंख्या में भी वृद्धि हुई है। आज से एक सौ बरस पहले नैनी झील की अधिकतम गहराई 28.3 मीटर यानी 93 फीट आंकी गई थी। तब यहां कुल करीब साढ़े पांच सौ मकान थे और यहां की जनसंख्या ग्यारह हजार के आसपास थी। तब के मुकाबले आज यहां की आबादी छह गुना से अधिक बढ़ गई है। मकानों की संख्या में बीस गुना इजाफा हुआ है। यदि बात पिछले ढाई दशकों की ही करें तो इस कालखंड में नैनीताल नगर में हजारों नए मकान बने। जनसंख्या में बेतहाशा उछाल आया है। पर्यटकों की आमद भी बढ़ी है। पिछले ढाई दशक के कालखंड में भवन और अन्य निर्माण गतिविधियों में निकला मिट्टी- मलबा और कूड़ा-करकट का कितना हिस्सा नालों के द्वारा झील के उदर में समाया, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। इसके बावजूद सिंचाई विभाग के कथनानुसार नैनी झील की गहराई 1998 के मुकाबले 2018 में घटने के बजाय आश्चर्यजनक रूप से करीब साढ़े चार फीट बढ़ गई है। यदि लोक निर्माण विभाग द्वारा 1998 में की गई नाप-जोख को दुरुस्त माना जाए तो नैनी झील की वर्तमान समय की अधिकतम गहराई को लेकर सिंचाई विभाग का दावा संशय और भ्रम उत्पन्न करता है। नैनी झील की गहराई को लेकर लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग के कथन में विरोधाभास है। मुद्दा नैनी झील के जलस्तर का पैमाना बदलने का नहीं है। दरअसल यह विषय सीधे तौर पर नैनी झील की सेहत से जुड़ा है। झील की सेहत से नैनीताल का मुस्तक़बिल तय होता है। झील को लेकर इंतजामिया का सतही, अगंभीर और असंवेदनशील रुख निश्चित ही चिंतनीय है। यक्ष प्रश्न यह है वर्तमान समय में नैनी झील की वास्तविक अधिकतम गहराई है कितनी? इसका उत्तर किसी के पास नहीं है।

प्रशासन के लिए नासूर बना खप्टिहा 56/2 का अवैध खनन

- खदान संचालक की अगुवाई में जारी है अवैध खनन काला कारोबार
- नदी की जलधारा में गरज रहीं भारी-भरकम मशीने
- खदान संचालक को नहीं है प्रशासन का भय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पैलानी तहसील के अन्तर्गत खप्टिहाकला में संचालित होने वाली 56/2 की खदान शुरू से ही विवादों के घेरे में है। कभी खदान संचालक द्वारा नदी की जलधारा को बांधकर अवैध पुल बनाया जाता है। जिसको प्रशासन के द्वारा ढहाया गया था। इस अवैध कार्य को अभी समय भी नहीं गुजरा था कि फिर से खदान में मनमानी का दौर शुरू हो गया है। अवैध खनन का पुराना शातिर खिलाड़ी इस खदान का संचालक खुलेआम दबंगई के बल पर नदी की जलधारा में अवैध खनन कार्य को अंजाम दे रहा है। इतना ही नहीं इस खदान के संचालक को एसटीएफ की कार्यवाही का जरा भी भय नहीं है। तभी खदान संचालक ने नदी की जलधारा में भारी-भरकम प्रतिबंधित मशीनों को उतार दिया है। जिनसे सूर्य ढलते ही अवैध बाबू का खनन तेजी से होता है। खदान से अवैध तरीके से निकाली गई बालू को ओवरलोड ट्रकों में भरकर रवाना कर दिया जाता है। सूत्रों का कहना है कि इस खदान से का कर्ता-धर्ता अवैध खनन कराने में पुराना माहिर खिलाड़ी है। पैलानी तहसील अंतर्गत खप्टिहाकला की केन नदी में 56/2 के खदान के ठेकेदारों द्वारा अभी महज दस दिन ही बीते हुए ओवरलोड ट्रकों की धमाचौकड़ी शुरू हो गई है ओवरलोड ट्रक के चलने से जहां एक ओर सड़के ध्वस्त हो रही है वहीं दूसरी ओर ग्रामीणो में रामराज, पप्पू, राकेश कुमार, संतोष कुमार,मंजू आदि ने तहसील प्रशासन से ओवरलोड ट्रकों पर अंकुश लगाए जाने को लेकर मांग की है। अभी करीब एक सप्ताह पहले खप्टिहाकला के मोरंग ठेकेदारों द्वारा केन नदी के दोनों छोरों को बांधकर पुल का निर्माण कर लिया था जिसको लेकर मौके पर पहुंचे खनिज निरीक्षक गौरव गुप्ता व नायब तहसीलदार पैलानी मुहम्मद मुस्तकीम ने पुल को पोकलेन मशीन से तोडकर समतल कर दिया था। अब ठेकेदारों द्वारा ओवरलोड ट्रक निकालकर शासन प्रशासन को खुली चुनौती दे रहा है। इस संबंध में जब तहसीलदार पैलानी राधेश्याम सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जल्द ही ओवरलोड ट्रकों पर कार्यवाही की जाएगी।

आनलाइन उपस्थिति के विरोध में आंदोलन के अंतिम चरण में सचिवों ने डोंगल जमा किए

कमासिन/बांदा। उत्तर प्रदेश सरकार के ऑनलाइन उपस्थिति आदेश के विरोध में 4 दिसंबर से प्रदेश स्तरीय ग्राम पंचायत ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के आवाहन पर आंदोलन के अंतिम चरण 15 दिसंबर को संघर्षरत कमासिन ब्लाक के ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत अधिकारी ने अपने वित्तीय भुगतान के डोंगल डिजिटल सिग्नेचर को सहायक विकास अधिकारी आईएसबी धर्मपाल यादव के पास संघ के अग्रिम आदेशों तक जमा करके प्रदेश सरकार और विभाग से मांगों पर सहानिभूत पूर्वक विचार किए जाने की मांग की है।संघर्ष समिति के ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि प्रदेश स्तरीय समन्वय समिति के आवाहन पर आंदोलन के कई चरण के बाद अंतिम चरण पर सरकार के आनलाइन हाजरी में सहानिभूत पूर्वक विचार नहीं करने पर अपने वित्तीय डिजिटल सिग्नेचर विकासखंड कार्यालय में सहायक विकास अधिकारी आईएसबी धर्मपाल यादव के पास जमा कर दिए गए ।यह पूछने पर की डोंगल जमा किए जाने से आपकी मांगे पूरी हो जाएगी।

तथागत ज्ञानस्थली सीनियर सेकेंडरी स्कूल के वार्षिकोत्सव का हुआ भव्य आयोजन

- इंद्रधनुष 2025 वार्षिक उत्सव की सभी ने की सराहना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। तथागत ज्ञानस्थली सीनियर सेकेंडरी स्कूल, अतर्रा में वार्षिक उत्सव 'इंद्रधनुष-2025' का भव्य एवं रंगारंग आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व डीजी बी. के. मौर्या उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन शिवशरन कुशवाहा, पूर्व बैंक मैनेजर रामलखन कुशवाहा, डायरेक्टर किरन मैम एवं प्रिंसिपल मैम श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव, अंकित कुशवाहा सहित विद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही। और पूर्व विद्यार्थियों को भी अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया था जो वर्तमान में लखनऊ एसडीएम देवेंद्र यादव, और इंजीनियर, डाक्टर, तहसीलदार, बैंक मैनेजर आदि पदों पर हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन एवं जागृतिरू बुद्ध स्तुति नृत्य के साथ हुआ। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री सुलखान सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को सशक्त बनाने का सबसे मजबूत माध्यम है। विशिष्ट अतिथि बी.के. मौर्या ने विद्यालय द्वारा शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के चेयरमैन अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य छात्रों के भविष्य को बेहतर बनाना है। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। नृत्य, गीत, नाटक एवं समूह-प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने सामाजिक संदेशों, भारतीय संस्कृति तथा एकता का भाव प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। इस दौरान छात्र- छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इंद्रधनुष थीम पर आधारित प्रस्तुति रही, जिसमें विविध रंगों के माध्यम से अलग-अलग प्रदेशों की संस्कृति पर आधारित नृत्य प्रस्तुति, संस्कार और सृजनशीलता का सुंदर प्रदर्शन किया गया।विद्यालय की प्रधानाचार्या ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अभाविप की तिंदवारी नगर इकाई का गठन हुआ संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- हृदयेश श्रीवास्तव बने अध्यक्ष, अथर्व गुप्ता नगर मंत्री नियुक्त

बांदा। विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तिंदवारी नगर इकाई का गठन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठनात्मक दायित्वों की घोषणा की गई, जिससे नगर स्तर पर अभाविप की गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी। घोषित दायित्वों के अनुसार हृदयेश श्रीवास्तव को नगर अध्यक्ष एवं अथर्व गुप्ता को नगर मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अतिरिक्त समीर सिंह, ऋतिक द्विवेदी, दीपांशु सिंह, प्रवीन गुप्ता एवं अभिषेक द्विवेदी को नगर सहमंत्री बनाया गया। नगर इंटर कॉलेज संयोजक की जिम्मेदारी स्वास्तिक तिवारी को दी गई। एसएफएस संयोजक के रूप में हिमांशु सिंह तथा एसएफएस सहसंयोजक के रूप में सुमित सैनी को नियुक्त किया गया। नवनियुक्त नगर अध्यक्ष हृदयेश श्रीवास्तव ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् छात्र-छात्राओं में राष्ट्रीय चेतना, अनुशासन एवं सेवा भाव को मजबूत करने का कार्य करेगी और शिक्षा व समाज से जुड़ी समस्याओं पर निरंतर संघर्ष करेगी। चुनाव प्रक्रिया जिला संयोजक गोविंद तिवारी की देखरेख में संपन्न हुई। उन्होंने नवगठित टीम को बधाई देते हुए राष्ट्र निर्माण के कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नीतीश निगम, सुभाष त्रिपाठी, कृष्णा सोनी, शिवम द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी में धान क्रय केंद्र का किया निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने सोमवार को धान क्रय केन्द्र ओसा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला खाद्य विपणन अधिकारी से मण्डी में संचालित कुल क्रय केन्द्रों की संख्या, धान की उठान, बोरे की उपलब्धता, किसानों को किये जा रहे भुगतान तथा लक्ष्य के सापेक्ष धान क्रय की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि किसानों से धान क्रय का कार्य पूरी तरह पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाय जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि किसानों को धान का भुगतान निर्धारित समयावधि में अनिवार्य रूप से किया जाए। साथ ही धान क्रय प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए विचौलियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा संलिप्त पाए जाने पर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाय। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित किसानों से संवाद कर धान विक्रय में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

नगर पालिका अध्यक्ष कविता पासी ने कैंप कार्यालय में सुनी जन समस्याएं, त्वरित समाधान का दिया भरोसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष कविता पासी ने सोमवार को चमरूपुर स्थित अपने कैम्प कार्यालय में क्षेत्रवासियों की जनसमस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस दौरान नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्याएं एवं सुझाव अध्यक्ष के समक्ष रखे, जिस पर उन्होंने सभी मामलों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण का आश्वासन दिया।कैम्प कार्यालय में उपस्थित नागरिकों ने नालियों की सफाई, स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। नगर पालिका अध्यक्ष ने प्रत्येक समस्या को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने की बात कही। अध्यक्ष कविता पासी ने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं का समाधान नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द ही संबंधित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान कराया जाएगा और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका परिषद भरवारी का उद्देश्य जनता को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए निरंतर जनसुनवाई के माध्यम से समस्याओं को जाना जा रहा है। चमरूपुर स्थित कैम्प कार्यालय में नियमित रूप से नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं, जिन पर तत्काल कार्रवायी भी की जाती है। नगरवासियों ने अध्यक्ष की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि कैम्प कार्यालय में सीधे समस्याएं रखने से उन्हें राहत मिल रही है और समाधान की उम्मीद भी बढ़ी है।

जनपद कौशांबी में 13 दिसंबर से 12 मार्च तक निषेधाज्ञा लागू

कौशाम्बी। जनपद में शान्ति-व्यवस्था एवं जनसुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित पाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अन्तर्गत जनपद कौशाम्बी के सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र में दिनांक 13 दिसम्बर 2025 से 12 मार्च 2026 तक निषेधाज्ञा लागू कर दी है। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि माघ मेला 2026, हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा क्रिसमस, नववर्ष, मकर संक्रान्ति, बसंत पंचमी, महाशिवरात्रि, होलिका दहन व होली जैसे त्योहारों को देखते हुए शान्ति व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है। इस अवधि में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने वाले तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जायेगी। आदेश के अनुसार सामान्य परिस्थितियों में 05 या 05 से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, लाठी-डण्डा, धारदार हथियार लेकर चलने पर रोक रहेगी। बिना अनुमति कोई सभा, जुलूस, रैली, पदयात्रा या जनसभा आयोजित नहीं की जा सकेगी।

तुलसी पूजन दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

- 25 दिसंबर को निकलेगी भव्य तुलसी पूजन यात्रा, प्लास्टिक तुलसी के बहिष्कार का आह्वान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आगामी 25 दिसंबर को मनाए जाने वाले तुलसी पूजन दिवस एवं उससे संबंधित भव्य तुलसी पूजन यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से नर सेवा नारायण सेवा समिति उन्नाव की एक महत्वपूर्ण बैठक संस्था के संस्थापक विमल द्विवेदी के आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता स्वयं संस्थापक विमल द्विवेदी ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए विमल द्विवेदी ने कहा कि तुलसी पूजन यात्रा हिंदू समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का प्रतीक है। इसे सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूर्ण निष्ठा और तत्परता से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 25 दिसंबर को जनपद में एक विशाल तुलसी पूजन यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और सामाजिक चेतना का प्रसार करना है। कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए विभिन्न जिम्मेदारियां कार्यकर्ताओं को सौंपी गईं। संस्थापक विमल द्विवेदी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस के रूप में मनाएं तथा प्लास्टिक से बनी तुलसी का बहिष्कार कर अपने घरों में जीवित तुलसी पौधे का पूजन करें। समिति ने सभी नागरिकों से इस पावन आयोजन में सहभागिता कर इसे ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में ये लोग रहे उपस्थितः अनिता द्विवेदी, ज्योति राजपूत, नीलमणि सिंह, दीपिका बाजपेई, गीता सिंह, दीपा त्रिपाठी, पवित्रा उपाध्याय, नर सेवा नारायण सेवा समिति के महासचिव विनय द्विवेदी, हिंदू जागरण मंच जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, ए.के. दीक्षित, निशांत शुक्ला, योगेंद्र तिवारी, आचार्य वासु, अवधेश दीक्षित, राकेश राजपूत, विकास तिवारी, शेखर अवस्थी, दीप चंद्र, कुलदीप वर्मा, परिमल मिश्रा, केतन अवस्थी, सुजीत सिंह, अजय द्विवेदी, मनीष मिश्रा, अभिषेक तिवारी, राजू शर्मा, अखिल मिश्रा, आदर्श पांडे, धर्मेंद्र शुक्ला, संदीप सिंह, आनंद मिश्रा, अमूल्य बाजपेई, शिव सेवक त्रिपाठी, सुदीप सिंह, अंकुर त्रिपाठी, मनोज शुक्ला, सर्वेश शुक्ला सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आशा कार्यकर्ताओं की हड़ताल से पोलियो अभियान ठप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज- उन्नाव। यूपी आशा वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर गईं आशा कार्यकर्ताओं के कारण, निर्धारित 55 टीमों में से कोई भी ड्यूटी पर नहीं पहुंची। इस अप्रत्याशित स्थिति से अभियान व्यवस्था चरमरा गई। पीएचसी प्रभारी डॉ. राजेश चंद्रा ने बताया कि हड़ताल का असर कम करने के लिए तत्काल प्रयास किए गए। प्रतिरक्षण अधिकारी मो. इसरार समेत अन्य मेडिकल स्टाफ की मदद से, स्थानीय एनजीओ और स्वयंसेवकों को शामिल कर केवल 12 टीमें ही गठित की जा सकीं। इन टीमों ने शहर के कुछ मोहल्लों में शून्य से पांच साल तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का कार्य किया। पहले दिन मात्र 549 बच्चों को ही ड्रॉप पिलाई जा सकी, जबकि पिछले अभियानों में पहले दिन ही सात से आठ हजार बच्चों को दवा पिलाई जाती थी। यह संख्या लक्ष्य से काफी दूर है।

डीआईजी के आदेश पर पुलिस ने चलाया बैंको और एटीएम पर चेकिंग अभियान

- बैंकों में सीसीटीवी और कयी प्रकार की चेकिंग कर पुलिस ने सुरक्षा इंतजाम पर दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलों में बैंक और एटीएमो को लेकर उनकी सुरक्षा को लेकर कयी बड़ा चेकिंग अभियान चलाये जाने के निर्देश डीआईजी राजेश एस द्वारा दिए गए म मंडल के पुलिस विभाग के बड़े अधिकारी पुलिस उपमहानिरीक्षक के आदेश मे जनपद में चलाया गया सघन बैंक चेकिंग अभियान, बैंक परिसर, बैंकों/एटीएम के आसपास की गई संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग । एटीएम/बैंक शाखाओं की चेकिंग कर सुरक्षा उपकरणों आदि को किया गया चेक । जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा बैंकों/वित्तीय संस्थानों एवं उनके आसपास क्षेत्रों मे होने वाली घटनाओं–जैसे लूट, छिनैती, चोरी एवं टप्पेबाजी की रोकथाम के उद्देश्य से सोमवार को जनपद में सघन बैंक चेकिंग अभियान चलाया गया । अभियान के क्रम में पुलिस द्वारा जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में स्थित एटीएम, बैंक शाखाओं एवं अन्य वित्तीय संस्थानों की गहनता से चेकिंग की गई । इस दौरान बैंकों/एटीएम में लगे सुरक्षा उपकरणों जैसे सीसीटीवी कैमरे, आपातकालीन अलार्म सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग तथा अग्निशामक यंत्रों की स्थिति का निरीक्षण किया गया तथा सीसीटीवी कैमरों को 24 घंटे चालू एवं क्रियाशील रखने हेतु संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया ।

साथ ही बैंक सुरक्षा गार्डों को निर्देशित किया गया कि बैंक में आने वाले ग्राहकों के वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े कराए जाएं, जिससे सड़क पर आवागमन बाधित न हो और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो ।

एसपी ने किया वार्षिक निरीक्षण निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने के लिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर-उन्नाव। पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने सोमवार को सफीपुर कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोतवाली परिसर की साफ-सफाई, बैरक, भोजनालय, शस्त्रागार, सीसीटीएनएस कक्ष एवं महिला हेल्प डेस्क का गहनता से जायजा लिया। इस दौरान पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

एसपी ने साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए लंबित विवेचनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैरक व पुलिस कर्मियों के आवासों की स्थिति की जानकारी ली तथा सीसीटीएनएस कक्ष की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की। महिला हेल्प डेस्क द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सहयोगात्मक व संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। पुलिस अधीक्षक ने लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नवाबगंज में उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण, कई विक्रेताओं को नोटिस

- जिला कृषि अधिकारी ने अनियमितता पर जताई सख्ती, नियंत्रण आदेश के तहत कार्रवाई की चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिला कृषि अधिकारी शशांक द्वारा आज नवाबगंज क्षेत्र में स्थित विभिन्न उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सिंह खाद भंडार भल्ला फार्म, रुखसार एग्री जंक्शन जाकिम खेड़ा, साधन सहकारी समिति ईटबरपुर, तिवारी खाद्य केंद्र नवाबगंज, रामघाट केंद्र सिरसा रोड, साधन सहकारी समिति नवाबगंज तथा द्विवेदी खाद भंडार कुसुंबी रोड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सिंह खाद भंडार भल्ला फार्म पर संस्तुत मात्रा का बैनर न लगाए जाने के कारण नोटिस निर्गत करने की संस्तुति की गई। वहीं रुखसार एग्री जंक्शन नवाबगंज के वितरण रजिस्टर की जांच के दौरान रेंडम आधार पर एक कृषक से वार्ता की गई, जिसमें कृषक द्वारा विक्रेता पर अधिक मूल्य पर उर्वरक बिक्री करने का आरोप लगाया गया। इस पर संबंधित विक्रेता को नोटिस जारी किया गया। तिवारी खाद भंडार नवाबगंज द्वारा वितरण रजिस्टर प्रमाणित न होने तथा कृषकों के मोबाइल नंबर अंकित न किए जाने पर नोटिस निर्गत किया गया। राम खाद केंद्र सिरसा रोड पर भी संस्तुत मात्रा का बैनर नहीं पाया गया। इसके अतिरिक्त द्विवेदी खाद भंडार नवाबगंज द्वारा बैनर न लगाए जाने तथा वितरण रजिस्टर में कृषकों के मोबाइल नंबर दर्ज न होने के कारण नोटिस जारी किया गया। जिला कृषि अधिकारी ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि कृषकों को उनकी जोत एवं भूमि के अनुसार ही उर्वरक का वितरण सुनिश्चित करें। स्टॉक व वितरण रजिस्टर पूर्ण एवं अद्यतन रखें तथा उर्वरकों का रखरखाव सही ढंग से करें। संस्तुत मात्रा के अनुरूप ही उर्वरकों का वितरण किया जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित उर्वरक विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विक्रेता की होगी। उर्वरक से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए कृषक कंट्रोल रूम नंबर 7839882173 एवं 9214848105 पर किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिग्नल एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदा सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है:

निविदा सं.: 106-टेली/टेंडर/18/2025-26	
कार्य का नाम : उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के लखनऊ-सुल्तानपुर-जफराबाद खंड में आगामी निरीक्षण हेतु दूरसंचार अवसंरचना को मजबूत करने के लिए दूरसंचार का कार्य।	
अनुमानित लागत: रु. 57,73,906.96/-	
निविदा प्रपत्र की कीमत: शून्य	
धरोहर राशि: रु. 1,15,500.00/-	
कार्य पूरा करने की अवधि: 90 दिन	
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 01.01.2026 15:30 Hrs.	
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है: www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/म.रे.प्र.कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ	

ठेकेदारों को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है।

- समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

सं. 106-टेली/टेंडर/18/2025-26 दिनांक: 11.12.2025 3863/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डीएम ने की जल जीवन मिशन की परियोजनाओं की समीक्षा

- पूर्ण योजनाओं की ज्वाइंटिंग टेस्टिंग कर 22 दिसंबर तक जलापूर्ति के निर्देश
- संचालन संबंधी शिकायतें टॉप प्रायोरिटी पर, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अनिवार्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जल जीवन मिशन (ग्रामीण) की प्रगति और गुणवत्ता को लेकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अफसरों व कार्यदायी संस्थाओं की अहम बैठक ली। साफ शब्दों में डीएम ने कहा कि जहां पाइपलाइन बिछ चुकी है, वहां प्रत्येक दशा में 22 दिसंबर तक नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित करें। डीएम ने निर्देश दिए कि जिन योजनाओं में वितरण प्रणाली का कार्य पूरा हो चुका है, उनकी ज्वाइंटिंग टेस्टिंग कर 22 दिसंबर तक जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। संचालन से जुड़ी शिकायतों को टॉप प्रायोरिटी पर लेते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए गए।

डीएम ने दो टूक कहा कि जल जीवन मिशन सरकार की फ्लैगशिप योजना है, इसमें ढिलाई, लापरवाही और बहानेबाजी कतई बर्दाश्त नहीं होगी। फील्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण, योजनाओं की वास्तविक प्रगति की रिपोर्ट और जवाबदेही तय करने के निर्देश देते हुए डीएम ने संकेत दिए कि तय समयसीमा में परिणाम न देने वालों पर कार्रवाई होगी।

डीएम ने अफसरों से कहा कि लक्ष्य सिर्फ निर्माण पूरा करना नहीं, बल्कि हर घर तक शुद्ध पेयजल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। शिकायतों के समाधान में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो, ताकि ग्रामीणों का भरोसा बना रहे। बैठक का संचालन सीडीओ अभिषेक कुमार ने किया। इस मौके पर एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, डीपीआरओ विशाल सिंह, अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण अविनाश गुप्ता, कार्यदायी संस्था एनसीसी के मोहम्मद जमाल, वीटीएल-गाजा के प्रियांशु, सहायक अभियंता प्रभाकर समेत संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

थाना सिंगाही पुलिस ने तीन वारण्टी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत थाना सिंगाही पुलिस को सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी निघासन के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। थाना सिंगाही पुलिस ने तीन वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में अंकित पुत्र गयाप्रसाद, गयाप्रसाद पुत्र बाबू तथा मुअज्जम उर्फ भोलू पुत्र आजाद शामिल हैं। तीनों अभियुक्त थाना सिंगाही क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने सभी वारण्टी अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही पूर्ण की। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

मेहता विद्याश्रम भरवारी में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का हुआ भव्य आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में सोमवार को प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भव्य, अनुशासित एवं अत्यंत आकर्षक आयोजन किया गया। इस रंगारंग प्रतियोगिता में एल.के.जी. से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता के साथ सहभागिता कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य बलाय्या गंगाराबोयिना, उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह एवं विद्यालय समन्वयक मोहम्मद नसीम, रश्मि पाठक एवं रजनी श्रीवास्तव द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों का सिलसिला आरंभ हुआ, जिसने उपस्थित अभिभावकों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता के निष्पक्ष एवं प्रभावी मूल्यांकन हेतु तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल का गठन किया गया। बच्चों ने डॉक्टर, क्रिकेटर, शिक्षक तथा महान स्वतंत्रता सेनानियों सहित विभिन्न प्रेरणादायक व्यक्तित्वों की वेशभूषा में मंच पर उतरकर न केवल अपनी सृजनात्मक पोशाक बल्कि सशक्त संवाद अदायगी और आत्मविश्वास से सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यालय के निदेशक संदीप सक्सेना एवं कोषाध्यक्ष प्रोफ़ेसर प्रशांत अग्रवाल ने इस सफल आयोजन के लिए प्रधानाचार्य एवं समस्त विद्यालय परिवार की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को निखारने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।समापन अवसर पर प्रधानाचार्य बलाय्या गंगाराबोयिना ने सभी कक्षाओं से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की तथा बच्चों को निरंतर लगन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पलिया के पत्रकार अभिजीत मिश्रा की मौत पर नीमगांव के स्थानीय पत्रकारों ने निकाला कैंडल मार्च

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नीमगांव खीरी। लखीमपुर खीरी जिले के पलिया थाना क्षेत्र के पत्रकार अभिजीत मिश्रा रजत की मौत पर शोक जताते हुए कस्बें में सोमवार को पत्रकारों ने कैंडल मार्च निकाला,पत्रकारों ने पीड़ित के परिजनों को आर्थिक मदद की मांग करते हुए मृतक की आत्मा की शांति के लिये दो मिनट मौन रखा। नीमगांव कस्बें में सोमवार को स्थानीय पत्रकारों कस्बें के सदर चौराहा पर एकत्र होकर कैंडल मार्च निकाला व शोक व्यक्त कर सभी पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिये दो मिनट का मौन रखा। इस दौरान अपराध संवाददाता/लेखक प्रांशु वर्मा, पंकज गौतम मितौली,प्रदीप मिश्रा, अंकित दीक्षित,कुलदीप विश्वकर्मा, सुंदरलाल यादव,अनूप वर्मा, अभिषेक वर्मा, जसकरन लाल चौहान आदि पत्रकार मौजूद रहे।

प्रेम प्रसंग में जिगरी दोस्त बना कातिल

उन्नाव। गुनहगार कितना ही शातिर क्यों न हो, अपने गुनाह के निशान छोड़ ही जाता है। उन्नाव में सामने आए सुधीर हत्याकांड में पुलिस की सधी हुई तफ्तीश ने इसी कहावत को सच साबित कर दिया। पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए झोलाछाप डॉक्टर संदीप और उसके साथी रंजीत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, मृतक सुधीर का गांव की ही एक युवती से प्रेम संबंध था। इसी दौरान उसके करीबी मित्र संदीप की भी उसी युवती से नजदीकियां बढ़ गईं। इस प्रेम त्रिकोण को लेकर दोनों दोस्तों के बीच करीब छह महीने पहले विवाद भी हुआ था। बताया गया कि संदीप गंगा बैराज के पास रहता था और बलियाखेड़ा में झोलाछाप दवाखाना चलाता था। इसी रंजिश ने दोस्ती को दुश्मनी में बदल दिया और हत्या की साजिश रची गई। घटना के बाद से ही रंजीत की भूमिका संदिग्ध बनी हुई थी। पुलिस पूछताछ में कई अहम कड़ियां जुड़ती चली गईं। हत्या के बाद रंजीत जयपुर भागने की फिराक में कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक पहुंच गया था, लेकिन सुधीर की बाइक बरामद होने की सूचना मिलते ही वह वापस लौट आया।

आशा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- लंबित मांगों पर अमल न होने से नाराज, आर्थिक संकट का आरोप

उन्नाव। आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर आंदोलन का रुख अख्तियार किया। सीएमओ कार्यालय पर धरना देकर प्रदर्शन कर रहीं आशा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मानदेय, प्रोत्साहन राशि और अन्य देयकों के भुगतान में वर्षों से हो रही देरी के कारण वे गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही हैं।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि 6 अक्टूबर 2025 को शासन को दिए गए ज्ञापन पर सहमति बनने के बावजूद अब तक मांगों पर अमल नहीं किया गया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उसी दिन मुख्यमंत्री स्तर से लंबित भुगतान और समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिला था। इसके बाद 13 अक्टूबर 2025 को स्वास्थ्य मंत्री स्तर पर हुई बैठक में 1 नवंबर 2025 से मांगों के निस्तारण का भरोसा दिया गया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। धरने के दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि वर्ष 2025 के कई महीनों का मानदेय, राज्य वित्त प्रतिपूर्ति राशि और विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों से जुड़ा भुगतान अब तक लंबित है। इससे उनके सामने परिवार के भरण-पोषण की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। ज्ञापन में आशा कार्यकर्ताओं और आशा संगिनियों को 'मानद स्वयंसेवक' के बजाय सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके साथ ही 45 वर्ष से अधिक आयु की आशा कार्यकर्ताओं के लिए सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक पेंशन व्यवस्था की मांग की गई है।

अन्य मांगों में स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा और कार्य के दौरान दुर्घटना बीमा की सुविधा, नियमित प्रशिक्षण तथा आवश्यक सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराए जाने की मांग शामिल है। इसके अलावा न्यूनतम मानदेय बढ़ाने की भी मांग की गई है, जिसमें आशा कार्यकर्ताओं को 21 हजार रुपये और आशा संगिनियों को 28 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिए जाने की बात कही गई है। आशा कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उनकी मांगों पर अमल नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और विभागीय अधिकारियों की होगी।

04 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव के कुशल निर्देशन में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली सदर पुलिस ने 04 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर चन्द्र कान्त मिश्र मय पुलिस बल द्वारा निम्नलिखित 04 वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गयाः 1.रामसजीवन पुत्र स्व0 रामनरेश, उम्र करीब 30 वर्ष, निवासी नुरूद्दीन नगर, थाना कोतवाली सदर, जनपद उन्नाव। 2.प्रदीप पुत्र स्व0 रामनरेश, उम्र करीब 22 वर्ष, निवासी नुरूद्दीन नगर, थाना कोतवाली सदर, जनपद उन्नाव। 3.पवन शर्मा पुत्र लल्लू, निवासी शेषपुर नरी, थाना कोतवाली सदर, जनपद उन्नाव। 4.श्यामलाल पुत्र गोला धानुक, निवासी शेषपुर नरी, थाना कोतवाली सदर, जनपद उन्नाव।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीमः प्रभारी निरीक्षक चन्द्र कान्त मिश्र, उ0नि0 उग्रसेन, चौकी प्रभारी किला, उ0नि0 करूणा शंकर श्रीवास्तव, हे0का0 रामदेव प्रजापति, आरक्षी अमित चौधरी, गिरफ्तार अभियुक्तों को पुलिस द्वारा न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां पर उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्यवाही के लिए प्रस्तुत किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता रहेगा, ताकि कानून का शासन सुनिश्चित किया जा सके।

जवाहर नवोदय विद्यालय की परीक्षा कृषक समाज पब्लिक इंटर कॉलेज में शांतिपूर्वक संपन्न

गोला गोकर्णनाथ खीरी। जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। परीक्षा के लिए नगर में दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें कृषक समाज इंटर कॉलेज और पब्लिक इंटर कॉलेज शामिल रहे। कृषक समाज इंटर कॉलेज में कुल 443 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 313 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 130 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस केंद्र पर केंद्र स्तरीय पर्यवेक्षक अनिल कुमार सिंह, केंद्र व्यवस्थापक एपी सरोज, परीक्षा प्रभारी लखपत भारती और डॉ. अनिल कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं पब्लिक इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर कुल 428 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 320 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 108 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यहां केंद्र व्यवस्थापक बाबूराम सागर सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। परीक्षा के दौरान सुरक्षा एवं अनुशासन की समुचित व्यवस्था रही।

थाना मोहम्मदी पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत थाना मोहम्मदी पुलिस को सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी मोहम्मदी के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। थाना मोहम्मदी पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त रोहित मिश्रा पुत्र रामचन्द्र मिश्रा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त ग्राम भगनापुर थाना मोहम्मदी जिला खीरी का निवासी है। अभियुक्त के विरुद्ध थाना मोहम्मदी में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज था। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण की। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

लोक अदालत में 78 हजार से अधिक वादों का निस्तारण, करोड़ों की वसूली

कुकरा खीरी। जिला लखीमपुर खीरी में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला जज शिव कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुआ। सिविल कोर्ट, तहसील कोर्ट, मोटर दुर्घटना प्राधिकरण एवं बैंकों के मामलों में 78 हजार से अधिक वादों का निस्तारण किया गया। मोटर दुर्घटना के 133 वादों में पीड़ितों को 5 करोड़ 62 लाख 81 हजार 505 रुपये का प्रतिकर दिलाया गया। बैंकों से संबंधित 1617 वादों में 5 करोड़ 34 लाख 12 हजार 382 रुपये की वसूली की गई। लोक अदालत का निरीक्षण जिला जज शिव कुमार सिंह, नोडल अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव एवं सचिव एडीजे वीरेंद्र नाथ पाण्डेय ने किया। सीजेएम प्रमोद यादव ने सर्वाधिक 3820 से अधिक वादों का निस्तारण किया।

विद्यालय में ताला तोड़कर अभिलेख और नगदी गायब करने का प्रधानाचार्य ने लगाया आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। जनता शिशु विद्यालय अलीगंज के प्रधानाध्यापक ने विद्यालय में ताला तोड़कर महत्वपूर्ण अभिलेख व नकदी गायब करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। प्रधानाध्यापक के अनुसार 15 नवंबर की शाम 3:15 बजे जनता इंटर कॉलेज अलीगंज के कुछ शिक्षकों ने विद्यालय का ताला तोड़कर दूसरा ताला लगा दिया। मामले की सूचना थाने व चौकी सहित मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रबंधन से जुड़ा विवाद हाईकोर्ट में लंबित है, इसी रंजिश में विपक्षियों ने उनके विरुद्ध झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई है। जाँच अधिकारी एसआई प्रवीण कुमार के साथ निरीक्षण में अलमारियों के टूटे ताले और रैक में छेड़छाड़ भी मिली। प्रधानाध्यापक ने आरोप लगाया कि जाँच जारी होने के बावजूद विद्यालय गेट पर पोस्टर लगाकर उनकी छवि खराब की जा रही है। उन्होंने आशंका जताई कि विद्यालय की तिजोरी से धन भी गायब किया गया है और अभिलेखों से छेड़छाड़ की गई है। उन्होंने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

संसद भवन में सांसद अशोक रावत विवादित टिप्पणी के विरुद्ध सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। महाराजा सल्हीय अर्कबंसी पर सिंह मिश्रिख सीतापुर के सांसद अशोक रावत द्वारा संसद भवन में विवादित टिप्पणी किए जाने के विरोध में अर्कवंशी समाज में आये उबाल के तहत माननीय राष्ट्रपति प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन तहसील पलिया की तहसीलदार को सोपा गया। अर्कवंसी एकता मंच उत्तर प्रदेश सचिव राजू अर्कवंशी के नेतृत्व में उपरोक्त सौंप गए ज्ञापन में कहा गया है कि मिश्रिख सांसद अशोक रावत ने महाराजा सल्हीय सिंह अर्कवंशी के ऊपर संसद भवन में विवादित टिप्पणी की उसी संबंध में तहसीलदार पलिया को भारत की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम से ज्ञापन दिया गया सांसद ने जो संसद भवन में बोला है उस रिकॉर्डिंग को डिलीट करवाया जाए और वह माफी मांगे नहीं तो अर्कवंशी समाज एक बड़े आंदोलन के लिए वाद्य होगा उसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस अवसर पर रिंकू अर्कवंशी ,आरती अर्कवंशी, विकास अर्कवंशी, अरविंद अर्कवंशी, विजय अर्कवंशी,वालेस अर्कवंशी आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

माविया फैशन पॉइंट का हुआ उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। कस्बा खीरी टाउन में माविया फैशन पॉइंट जिसका उद्घाटन खीरी विकास समिति अध्यक्ष आमिर रज़ा पम्मी व प्रोपराइटर मो0 अकील खान के वालिद हाजी मो0 सईद खान उर्फ छोटे खान ने फीता काट कर किया। प्रोपराइटर मो0 अकील खान उर्फ डब्बू ने बताया कि माविया फैशन पॉइंट में महिलाओं के कपड़ों की नई और बड़ी रेंज के साथ में वह सेवा में हाजिर है। उन्होंने कहा कि उन्हें एक बार सेवा का मौका दें, वह सही रेट और सही क्वालिटी के साथ सबकी कसौटी पर खरे उतरने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर मो. सईद अंसारी उर्फ गुड्डू, बंटू खान, फुल्लन खान, मुश्ताक अली गौरी, सैयद जकी अहमद, मो.हुसैन उर्फ नेता, मो.सलीम उर्फ पाकी.ज़ा, मो.आसिफ़, रियाजत अली, हाजी कलीम आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका अध्यक्षा ने किया दो नवनिर्मित सड़कों का लोकार्पण

- गदियाना व बाबूगंज वार्ड में इंटरलॉकिंग सड़क व नाली निर्माण से लोगों को मिली राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा श्वेता भानू मिश्रा ने सोमवार को नगर के दो प्रमुख वार्डों–वार्ड संख्या 30 गदियाना और वार्ड संख्या 08 बाबूगंज–में नवनिर्मित नाली एवं इंटरलॉकिंग सड़कों का विधिवत लोकार्पण कर उन्हें क्षेत्रवासियों को समर्पित किया।

इन विकास कार्यों के पूरा होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा के साथ बेहतर जल निकासी व्यवस्था का लाभ मिलेगा। गदियाना मोहल्ले में लंबे समय से सड़क की जर्जर स्थिति के कारण स्थानीय निवासियों और राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नई इंटरलॉकिंग सड़क के निर्माण से अब क्षेत्र में सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात सुनिश्चित हो सकेगा। वहीं, वार्ड संख्या 08 बाबूगंज में एकांतेश्वर महादेव मंदिर तक बनाई गई सड़क का विशेष महत्व है।

यह मार्ग श्रद्धालुओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। सड़क के साथ नाली निर्माण होने से जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान होगा, जिससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और आसपास के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

लोकार्पण के अवसर पर नगर पालिका अध्यक्षा श्वेता भानू मिश्रा ने कहा कि नगर पालिका परिषद नगरवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि उनका संकल्प है कि नगर के प्रत्येक वार्ड तक गुणवत्तापूर्ण सड़कें, बेहतर जल निकासी व्यवस्था और अन्य नागरिक सुविधाएं पहुंचाई जाएं।

उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे सार्वजनिक संपत्तियों के संरक्षण और रखरखाव में सहयोग करें, ताकि विकास कार्यों का लाभ लंबे समय तक सभी को मिल सके। इस अवसर पर गदियाना के सभासद मेराजुद्दीन, बाबूगंज के सभासद रवि कुमार सहित रानू, वसीम, मुन्ना, इकबाल, नियाज़, शैलेंद्र, विकास गुप्ता समेत बड़ी संख्या में सम्मानित नागरिक और व्यापारी उपस्थित रहे।

सूर्यकुमार और गिल हमें विश्व कप में मैच जिताएंगे: अभिषेक

एजेंसी

धर्मशाला। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का मानना है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल जल्द ही फॉर्म में वापसी करेंगे और अपनी पारियों से आगे वर्ष फरवरी में होने वाले विश्वकप में भारत को जीत दिलायेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धर्मशाला में हुए तीसरे टी-20 एक बार फिर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (11 गेंद में 12 रन) और उपकप्तान शुभमन गिल (28 गेंद में 28 रन) बल्ले के साथ असफल रहने को लेकर अभिषेक ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्लमैं एक बात सीधे कह सकता हूं कि ये दोनों भारत को विश्व कप में मैच जिताने जा रहे हैं। उससे पहले अगले आने वाले मैचों में भी ये ऐसा करते हुए दिखेंगे। मैं इन दोनों खासकर शुभमन के साथ लंबे समय से खेलते आ रहा हूं, तो मुझे पता है कि ये क्या कर सकते हैं। मुझे गिल पर शुरुआत से ही भरोसा है और मुझे उम्मीद है कि आप सब लोग जल्द ही उससे एक बड़ी पारी देखेंगे। इस मैच में जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में हर्षित राणा ने अर्शदीप सिंह के साथ मिलकर भारत को बेहतरीन शुरुआत दी और सातवें ओवर तक उनके चार बल्लेबाज़ सिर्फ़ 30 के स्कोर पर पवेलियन में थे। दोनों ने आपस में मिलकर 2-2 विकेट बांटे और इसके बाद स्पिनरों और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों ने मोर्चा संभाल लिया। वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट झटके तो हार्दिक पंड्या और शिवम् दुबे ने भी अनुशासित गेंदबाजी करते हुए 1-1 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में मात्र 120 रन ही बना सकी। अभिषेक ने भी भारतीय तेज गेंदबाजो की तारीफ करते हुए कहा कि तेज गेंदबाजो ने शुरुआती परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया, जिससे उनकी टीम शुरुआत में ही मैच में आगे हो गई थी। उन्होंने कहा, ह्लजिस तरह से उन्होंने हमें शुरुआत दी, मुझे लगा कि मैच वहीं समाप्त हो गया था। पिच से तेज गेंदबाजो को मदद मिल रही थी और अगर यह एक हाई स्कोरिंग मैच होता तो दूसरी पारी में हमें भी रन बनाने में दिक्कतें होती। इसलिए पूरा क्रेडिट गेंदबाजो को जाता है। मैंने भी पिच और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपने कुछ शॉट खेलें और यही हमेशा से मेरा प्लान रहता है।

मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं, लेकिन रन नहीं बन रहे है: सूर्यकुमार

धर्मशाला। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपनी फॉर्म को लेकर कहा कि मैं नेट्स पर बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। जब रन आने होंगे, तब आएंगे। मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं। तीसरे टी-20 में दक्षिण अफ्रीका को कल रात सात विकेट से हराने के बाद संवाददाता सम्मेलन में सूर्यकुमार यादव, ह्लखेल आपको बहुत कुछ सिखाता है। आप कैसे वापसी करते हैं, यह अधिक महत्वपूर्ण है। पिछली मैच में हमने काफी कुछ सीखा था, और आज हमने वही किया। (खराब फार्म के बारे में) मैं नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। जब रन आने होंगे, तब आएंगे। मैं फॉर्म से बाहर नहीं हूं। यह अलग बात है कि रन नहीं आ रहे हैं। हम जीत का आनंद लेंगे, कल लखनऊ पहुंचने के बाद बैठेंगे और वहां से आगे की योजना बनाएंगे। प्लेयर ऑफ द मैच अर्शदीप सिंह ने कहा, कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आप सही तरह से अपनी योजना को नहीं निभा पाते हैं, वह पिछले मैच में हुआ था।

हम आखिर हासिल क्या करना चाह रहे हैं, मेस्सी के जीओएटी दौरे पर बोले बिंद्रा

एजेंसी

नयी दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत के पूर्व निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे के घटनाक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इस महान खिलाड़ी के करीब आने या उसके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिये लाखों रूपये खर्च किये जाने को लेकर वह काफी दुखी हैं । मेस्सी के तीन दिन के भारत दौरे पर काफी अराजकता देखी गई चूंकि राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों , उद्योगपतियों और अधिकारियों में उनके साथ तस्वीर लेने को लेकर होड़ रही । कोलकाता में तो प्रशंसकों के सब्र का बांध टूट गया जो हजारों रूपये के टिकट खरीदने के बावजूद उनकी एक झलक भी नहीं पा सके। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा ,'' जैसे जैसे उनका हालिया भारत दौरा आगे बढ़ा, कुछ जगहों पर अफरा तफरी हुई और मुझे काफी असहज लगा । इसने मुझे रुकने और सोचने पर मजबूर किया, इस बात की सच्ची चिंता में कि हम असल में क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा ,''एक पल के लिये उनके करीब जाने या तस्वीर खिंचवाने के लिये लाखों रूपये खर्च किये जा रहे हैं । यह ईमानदारी से कमाया गया लोगों का पैसा है और वे चाहे जैसे इसे खर्च करें । लेकिन मैं दुखी हूं और मुझे हैरानी हो रही है कि क्या यह संभव था कि इस ऊर्ज़ा और निवेश का एक हिस्सा भी हमारे देश में खेलों की बुनियाद पर खर्च किया जा सकता था । बिंद्रा ने हालांकि स्पष्ट किया कि अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान के लिये उनके मन में अपार सम्मान है जो इस समय दुनिया के सबसे चहेते खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने कहा ,'' लियोनेल मेस्सी उन खास खिलाड़ियों में से हैं जिनकी कहानी खेल से कहीं आगे है।शारीरिक मुश्किलों से लड़ने वाले एक बच्चे से लेकर एक महान फुटबॉलर तक के उनके सफर ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है । मैं उनकी उस खूबी के लिए बहुत सम्मान और तारीफ करता हूँ जो उनमे नजर आती है मसलन लगन, विनम्रता और महानता । उन्होंने कहा ,'' मैं खेलों का अर्थशास्त्र समझता हूं । मैं व्यावसायिक सच्चाई, वैश्विक ब्रांडिंग और महान खिलाड़ी के आकर्षण को समझता हूँ। मैं मेस्सी को किसी भी तरह से गलत नहीं मानता। उन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर मौके को कमाया है और महानता की तारीफ करना स्वाभाविक है । मेस्सी के जीओएटी दौरे का फुटबॉल से कोई सरोकार नहीं है और उनका कार्यक्रम मुलाकातों तक सीमित है जिसमें प्रशंसकों से सीधे मुलाकात नहीं है । बिंद्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के लिये इस्तेमाल किये गए संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकता था।

दिव्यांग टी-20 सीरीज 16-18 दिसंबर तक मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगी

एजेंसी

मुम्बई। तीन मैचों की दिव्यांग टी-20 सीरीज 16 से 18 दिसंबर तक मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में खेली जायेगी। इस अवसर पर मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के महासचिव उन्मेश खानविलकर ने कहा, ''पहली बार दिव्यांग क्रिकेट सीरीज की मेजबानी करना एमसीए के लिए एक गर्व का पल है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि क्रिकेट सच में सभी का है। हमारे अध्यक्ष अजिंक्य नाइक, दिव्यांग क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं, और हम अपना पूरा समर्थन देना जारी रखेंगे। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) के महासचिव रवि चौहान ने इसको लेकर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, ''यह हमारे खिलाड़ियों के लिए सच में एक बहुत ही खास पल है। ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेलने का मौका मिलना। 'जहां टीम इंडिया ने 2011 वर्ल्ड कप जीता था' उन्हें बहुत अधिक बढ़ावा और प्रेरणा देगा। मैं एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने लगातार हमारे क्रिकेट का समर्थन किया है। डीसीसीआई दिव्यांग क्रिकेट की मेजबानी के लिए एमसीए का दिल से आभार व्यक्त करता है। समावेशिता और अवसर के प्रति आपकी प्रतिबद्धता ने खेल की भावना को मजबूत किया है और हमारे एथलीटों को चमकने के लिए सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लगातार समर्थन से, देश भर में दिव्यांग क्रिकेट को और विकसित और मजबूत करने के लिए हर दिन प्रयास किए जा रहे हैं।

हार्मर और शेफाली वर्मा बने नवंबर के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने नवंबर के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की घोषणा कर दी है। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर साइमन हार्मर को पुरुष वर्ग में, जबकि भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को महिला वर्ग में यह सम्मान दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के 36 वर्षीय ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने बांग्लादेश के ताइजुल इस्लाम और पाकिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को पीछे छोड़ते हुए यह पुरस्कार अपने नाम किया। हार्मर को यह सम्मान भारत के खिलाफ खेली गई दो मैचों की आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए मिला। हार्मर ने इस सीरीज में कुल 17 विकेट झटके और दक्षिण अफ्रीका को भारत में 25 साल बाद पहली टेस्ट सीरीज जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। कोलकाता टेस्ट में उन्होंने 4/30 और 4/21 के

आंकड़े दर्ज किए, जबकि गुवाहाटी टेस्ट में 3/64 और शानदार 6/37 की गेंदबाजी की। पूरी सीरीज में उनका औसत 8.94 और इकॉनमी 1.91 रही। अवॉर्ड मिलने पर हार्मर ने कहा कि देश के लिए खेलना उनके लिए गर्व की बात है और इस उपलब्धि का श्रेय वह अपनी टीम, कोचिंग स्टाफ और परिवार को देते हैं। भारतीय महिला टीम की ओपनर शेफाली वर्मा ने थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग और यूएई की एशा ओजा को पछाड़ते हुए पहली बार आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीता। खास बात यह रही कि शेफाली को चोटिल प्रतीका रावल के स्थान पर लेट रिप्लेसमेंट के तौर पर वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया था। महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में शेफाली ने 78 गेंदों पर 87 रन की शानदार पारी खेली, जो महिला वर्ल्ड कप फाइनल में किसी भारतीय ओपनर का सर्वोच्च स्कोर है। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके अलावा शेफाली ने गेंदबाजी में भी अहम योगदान देते हुए सुने लूस और मरिज़ाने कैप के विकेट चटकाए। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। शेफाली ने कहा कि उनका पहला वर्ल्ड कप अनुभव उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन अंत बेहद यादगार रहा। उन्होंने इस सम्मान को टीम की ऐतिहासिक विश्व कप जीत और घरेलू दर्शकों के सामने मिली सफलता को समर्पित किया। इस तरह नवंबर, 2025 में हार्मर और शेफाली ने अपने-अपने शानदार प्रदर्शन से आईसीसी के सर्वोच्च मासिक सम्मान पर कब्जा जमाया।

एडिलेड ओवल में तीसरा एशेज टेस्ट बुधवार से

एजेंसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने आगामी तीसरे एशेज टेस्ट से पहले साफ कहा है कि उन्हें किसी को भी कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। बुधवार से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाले इस मुकाबले के लिए लियोन की वापसी तय मानी जा रही है, जहां गर्म मौसम और सूखी पिच स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल रहने की उम्मीद है। नाथन लियोन एक बड़े व्यक्तिगत रिकॉर्ड के भी करीब हैं। उनके नाम फिलहाल 562 टेस्ट विकेट हैं और वे महान तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा (563 विकेट) के रिकॉर्ड से सिर्फ एक विकेट पीछे हैं। 140 टेस्ट मैच खेल चुके लियोन को पिछले तीन मैचों में से दो में प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा गया था। हालांकि, तीसरे टेस्ट में उनके खेलने की प्रबल संभावना है, जहां ऑस्ट्रेलिया 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगा। इस मैच में पैट कमिंस भी कप्तान के रूप में वापसी करेंगे। लियोन ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, व्यक्तिगत तौर पर यह निराशाजनक था, लेकिन मैंने 140 टेस्ट खेले हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी को कुछ साबित करना है। मुझे अपनी भूमिका साफ तौर पर पता है। मुझे ड्रेसिंग रूम में सभी के साथ खेलना और ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना बेहद पसंद है।ङ्क उन्होंने आगे कहा, ह्लअगर मुझे फिर से मौका मिलता है, तो मैं वही करता रहूंगा। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते रहना मेरा सपना है। किसी को भी चयन का स्थायी अधिकार नहीं होता। आपको कड़ी मेहनत करनी होती है ताकि आप चयन के हकदार बन सकें। सोमवार का दिन लियोन के लिए खास भी रहा, क्योंकि उन्हें औपचारिक रूप से एडिलेड ओवल की 'एवेन्यू ऑफ ऑनर' में शामिल किया गया। यह वही मैदान है, जहां वे कभी ग्राउंड स्टाफ के रूप में काम किया करते थे। अब सभी की नजरें एडिलेड टेस्ट पर हैं, जहां लियोन न सिर्फ टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं, बल्कि इतिहास भी रच सकते हैं। लियोन ने टेस्ट क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ह्लआप एक स्पिनर से पूछ रहे हैं, तो जाहिर है कि स्पिन बेहद अहम है। टेस्ट क्रिकेट पांच दिन का खेल है और पिच के टूटने के साथ स्पिनरों के लिए मौके बढ़ते हैं। जैसे ही गेंद घूमती है, टीवी पर ज्यादा नजरें टिक जाती हैं। उन्होंने भारत दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि स्पिन वाली परिस्थितियों में खेल और भी रोमांचक हो जाता है और दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ती है। मेरे लिए स्पिन क्रिकेट के हर प्रारूप में अहम भूमिका निभाता है—चाहे जूनियर क्रिकेट हो, फर्स्ट क्लास, व्हाइट-बॉल या रेड-बॉल।ङ्क इस पर लियोन ने कहा,ह्लमेरे इतिहास को देखते हुए यह किसी परीकथा जैसा हो सकता है। 2010-11 में मेरा पहला टेस्ट यहीं हुआ था। ग्लेन मैक्ग्रा को पीछे छोड़ना वाकई अविश्वसनीय होगा।

महंगाई के मोर्चे पर राहत, थोक महंगाई दर नवंबर महीने में -0.32 फीसदी पर

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को मामूली राहत मिली है। नवंबर महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर में बढ़त देखने को मिली है। इस दौरान थोक महंगाई घटकर (-) 0.32 फीसदी पर आ गई, जबकि अक?टूबर में यह (-) 1.21 फीसदी पर थी। नवंबर, 2024 में 2.16 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, बुनियादी धातुओं के उत्पादन और बिजली आदि की कीमतों में कमी इसकी मुख्य वजह रही। आंकड़ों के अनुसार नवंबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 4.16 फीसदी रही, जबकि अक्टूबर में यह 8.31 फीसदी थी। सब्जियों की महंगाई दर 20.23 फीसदी रही, जो अक्टूबर में 34.97 फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक दालों की कीमतों में नवंबर में 15.21 फीसदी की कमी आई, जबकि आलू तथा प्याज की कीमतें क्रमशः 36.14 फीसदी और 64.70 फीसदी घटीं। इसके अलावा विनिर्मित उत्पादों के मामले में नवंबर में महंगाई घटकर 1.33 फीसदी हो गई, जबकि अक्टूबर में यह 1.54 फीसदी थी। इस दौरान ईंधन तथा बिजली की कीमतों की महंगाई दर 2.27 फीसदी रही, जो अक्टूबर में 2.55 फीसदी थी। पिछले हफ्ते जारी आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के कारण नवंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर मामूली वृद्धि के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर 0.25 फीसदी से बढ़कर 0.71 फीसदी पर पहुंच गई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दर रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी कर दिया था।

चीनी उत्पादन 2025-26 में अब तक 28 प्रतिशत बढ़ा, मिलों की न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाने की मांग

नयी दिल्ली। भारत का चीनी उत्पादन चालू सत्र 2025-26 में अब तक 28.33 प्रतिशत बढ़कर 77.90 लाख टन हो गया है। हालांकि सहकारी चीनी मिलों के महासंघ ने सरकार से न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाने की मांग की है। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि बाजार भाव में गिरावट और लागत में वृद्धि के कारण किसानों को होने वाले भुगतान पर खतरा मंडरा रहा है। किसानों के स्वामित्व वाली मिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेशनल फ़ेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (एनएफसीएसएफ) ने कहा कि सत्र की शुरुआत से अब तक चीनी कीमतों में लगभग 2,300 रुपये प्रति टन की गिरावट आई है।

साहसिक सोच और अथक प्रयासों ने भारत के ऊर्ज़ा क्षेत्र को बदल दिया: पीयूष

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत के ऊर्ज़ा क्षेत्र के पिछले 11 वर्षों का सफर इस बात का सबूत है कि साहसिक दृष्टिकोण, ईमानदार इरादे और लगातार काम करने से किसी देश की किस्मत बदली जा सकती है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि पत्रकार साथियों के साथ देश के ऊर्ज़ा क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनकारी यात्रा को साझा किया। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले ऊर्ज़ा क्षेत्र घोटालों, चुनौतियों और सीमित आपूर्ति से जूझ रहा था, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मनिर्भर ऊर्ज़ा की दिशा में निर्णायक प्रगति कर रहा है। गोयल ने संवाददातों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में रिकॉर्ड कोयला उत्पादन, सौर एवं पवन ऊर्ज़ा में अभूतपूर्व विस्तार, मजबूत पावर ग्रिड, हर घर बिजली व गैस सिलेंडर और विस्तृत गैस पाइपलाइन नेटवर्क जैसी उपलब्धियां मोदी सरकार की जनसेवा, अंत्योदय और ईमानदार नीतिगत प्रयासों का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पावर सेक्टर ट्रांसफॉर्मेशन के 5 स्तंभ हैं, जिसमें सभी तक पहुंच, किफायती, उपलब्धता, वित्तीय व्यवहार्यता और स्थिरता तथा वैश्विक जिम्मेदारी प्रमुख है। उन्होंने कहा कि हमारे नेशनल पावर ग्रिड की वजह से भारत डेटा सेंटर्स के लिए एक पसंदीदा जगह है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर कहा कि देश न सिर्फ भारत के लौह पुरुष को याद करता है, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी नेता को भी याद करता है जो चाहते थे कि देश राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और यूपीए के कार्यकाल में भारत का ऊर्ज़ा क्षेत्र ब्लैकआउट और पावर कट का प्रतीक बन गया था। जबकि, प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में सभी को सुचारू रूप से बिजली पहुंच रही है। गोयल ने अपने संबोधन में भरोसा जताया कि जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, देश का एनर्जी सेक्टर स्केल, स्पीड और सस्टेनेबिलिटी को एक साथ मैनेज करने में एक ग्लोबल केस स्टडी बनकर उभरेगा।

संक्षिप्त समाचार

कथित दुर्व्यवहार के बारे में 'गंभीर शिकायत' के बाद न्यू साउथ वेल्स खिलाड़ी पर लगा प्रतिबंध

न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया)। युवा खिलाड़ियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की एक गंभीर शिकायत के बाद न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के एक क्रिकेटर पर किसी भी स्तर पर खेलने पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में छपी खबर के अनुसार, एनएसडब्ल्यू और एक टी-20 टीम के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन बोर्ड की एक आपात बैठक के बाद रद्द कर दिया गया है। यह संवेदनशील मामला है और पुलिस इसकी जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के एक प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर बताया कि खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, ह्लएक गंभीर शिकायत के बारे में पता चलने के बाद क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन स्थायी रूप से रद्द करने का फैसला किया है। नतीजतन, उसे क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों में शामिल होने से अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया है। जब तक जांच चल रही है, हम इस मामले पर और टिप्पणी नहीं कर सकते। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में बताया कि यह शिकायत खिलाड़ी के सिडनी ग्रेड क्लब से आई थी और यह हाल ही में की गई थी।

सर्वश्रेष्ठ फीफा फुटबॉल पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा मंगलवार को

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। द बेस्ट फीफा फुटबॉल पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा कतर की राजधानी दोहा में आयोजित एक विशेष समारोह में मंगलवार को होगी। कल होने वाले इस समारोह का सीधा प्रसारण फीफाडॉटकॉम पर स्थानीय समय के अनुसार 20 बजे किया जाएगा। अहमद बिन अली स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन और सीआर फ्लेमेंगो के बीच फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप कतर 2025 के फाइनल की पूर्व संध्या पर, दोहा के फ़ेयरमोंट कटारा हॉल में फीफा सेलिब्रेशन 2025 रात्रिभोज के दौरान इस वर्ष के दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और कोचों के नामों की घोषणा की जायेगी। इस समारोह में फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो, फीफा परिषद के सदस्यों सहित 800 मेहमान शामिल होंगे। इससे पहले, फीफा प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर डिजिटल वीडियो में सर्वश्रेष्ठ प्रशंसकों, गोलकीपरों और गोलों की घोषणा तथा फीफा फ़ेयर प्ले अवॉर्ड के विजेता का भी ऐलान किया जाएगा। हमेशा की तरह प्रशंसकों ने एक करोड़ 60 लाख से अधिक वोट देकर विजेताओं का चयन किया है। इसके तहत सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच, सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच, सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला गोलकीपर और सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष गोलकीपर के पुरस्कार शामिल हैं। इसके अलावा अन्य पुरस्कारों के लिए भी प्रशंसकों ने मतदान कर अन्य सर्वश्रेष्ठ वर्गो का चयन किया है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,33,900 रुपये से लेकर 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,22,740 रुपये से लेकर 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,34,060 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,33,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,22,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,22,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,33,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,22,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

निर्यात में सुधार, आयात घटने से नवंबर में व्यापार घाटा गिरकर 24.53 अरब डॉलर

नयी दिल्ली। सोना, पेट्रोलियम और कोयला आयात में गिरावट तथा अमेरिका को निर्यात में वृद्धि के चलते नवंबर में देश का व्यापार घाटा कम होकर 24.53 अरब डॉलर पर आ गया जो इसका पांच महीने का न्यूनतम स्तर है। अक्टूबर में सोने के आयात में उछाल के चलते व्यापार घाटा 41.68 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। व्यापार घाटे की घट-बढ़ विनियम दर को प्रभावित करती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी व्यापार के मासिक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में देश का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात अक्टूबर के 34.38 अरब डॉलर से बढ़कर 38.13 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि आयात 76.06 अरब डॉलर से घटकर 62.66 अरब डॉलर रहा। इस तरह नवंबर में वाणिज्यिक वस्तुओं के व्यापार में घाटा (निर्यात पर आयात का आधिक्य) पांच माह के न्यूनतम स्तर 24.53 अरब डॉलर के बराबर रहा।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मेहमानों ने सुब्रमण्यम भारती के घर पहुंचकर जाना काशी से जुड़ा तमिल का इतिहास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी तमिल संगमम-4.0 के मेहमानों ने हनुमान घाट पर आध्यात्मिक समूह के रूप में सुब्रमण्यम भारती के घर पहुंचकर काशी से जुड़ा तमिल का इतिहास जाना। सोमवार को तमिल संगमम 4.0 में तमिलनाडु से आया आध्यात्मिक दल हनुमान घाट पहुंचा, जहां सभी ने गंगा में स्नान कर मां का पूजा पाठ करते हुए सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। गंगा स्नान के बाद समूह ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। सभी लोगों को मंदिरों के इतिहास दिव्यता, भव्यता और इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। इसके उपरांत तमिल मेहमान हनुमान घाट स्थित सुब्रमण्यम भारती के घर गए। वहां उनके परिवार के सदस्यों से उन्होंने मुलाकात की। समूह के लोगों में काफी कुछ जानने की जिज्ञासा दिखी उन्होंने सुब्रमण्यम भारती के घर के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और काफी कुछ वहां के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। सुब्रमण्यम भारतीय के घर पर भ्रमण करने के उपरांत यह समूह कांची मठ पहुंचा और वहां के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। काशी में दक्षिण भारतीय मंदिर को देखकर साहित्यिक दल उत्साहित दिखा। तमिलनाडु से आए इस प्रतिनिधिमंडल का अलग ही अंदाज दिख रहा था। आध्यात्मिक ग्रुप अपने-अपने तरीके से काशी की व्याख्या कर रहा था। कोई अपने पूर्वजों को याद कर रहा था तो कोई संस्कृति को एक बताते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा था। समूह में आए मेहमान वीके रमन ने बताया कि हमने मंदिरों का भ्रमण किया, यह देखकर आश्चर्यचकित हो गए कि काशी और तमिलनाडु में एक जैसी समानता है। यहां की संस्कृति हमारी संस्कृति एक है। इस तरह के आयोजन लगातार होने चाहिए ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार किया जा सके।

काशी तमिल संगमम -4 : हनुमान घाट पर तमिलनाडु के आध्यात्मिक समूह ने किया गंगा स्नान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में भाग लेने तमिलनाडु से आया आध्यात्मिक दल सोमवार को हनुमान घाट पहुंचा। जहां सभी ने पवित्र गंगा नदी में स्नान कर मां गंगा का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। गंगा स्नान के बाद समूह ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। सभी लोगों को गाइड ने मंदिरों के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके उपरांत सभी तमिल डेलीगेट हनुमान घाट स्थित तमिल महाकवि सुब्रमण्यम भारती के घर गए। वहां उनके परिवार के तीसरी पीढ़ी के सदस्यों से दल ने मुलाकात की। समूह के लोगों में तमिल महाकवि के बारे में काफी कुछ जानने की जिज्ञासा दिखी । उन्होंने सुब्रमण्यम भारती के घर के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और काफी कुछ वहां के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। सुब्रमण्यम भारती के घर पर भ्रमण करने के उपरांत यह समूह कांची मठ पहुंचा और वहां के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान हनुमान घाट इलाके में दक्षिण भारतीय मंदिर को देखकर दल उत्साहित दिखा। यह आध्यात्मिक ग्रुप अपने-अपने तरीके से काशी की व्याख्या कर रहा था। कोई अपने पूर्वजों को याद कर रहा था तो कोई संस्कृति को एक बताते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा था। समूह में शामिल वीके रमन ने बताया कि हमने मंदिरों का भ्रमण किया । यह देखकर आश्चर्यचकित हो गए कि काशी और तमिलनाडु में एक जैसी समानता है। यहां की संस्कृति हमारी संस्कृति एक है। इस तरह के आयोजन लगातार होने चाहिए ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार किया जा सके।

एकादशी पर गड़बड़ा धाम में उमड़ा श्रद्धा का सागर, देवी जागरण की भव्य तैयारी

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के हलिया क्षेत्र के सुप्रसिद्ध गड़बड़ा धाम में एकादशी तिथि के पावन अवसर पर सोमवार को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही भक्त सेवटी नदी में स्नान कर हाथों में नारियल, चुनरी, फूल-माला व प्रसाद लेकर कतारबद्ध होकर माता रानी के दर्शन के लिए खड़े नजर आए। कपाट खुलते ही जयकारों से पूरा धाम गूंज उठा और भक्तों ने मां के चरणों में शीश नवाकर मनोकामनाएं अर्पित कीं। कई श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में सत्यनारायण कथा का श्रवण कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रबंधक सुभाष चंद्र शुक्ल व ज्ञान चंद्र शुक्ल ने बताया कि भोर से दोपहर तक करीब 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में हाजिरी लगाई।

बाल योग संस्कारशाला का शुभारंभ, नन्हे योगियों ने सीखे स्वास्थ्य के सूत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। पतंजलि युवा भारत एवं विंध्य योग धाम के संयुक्त तत्वावधान में नगर के कजरहवा पोखरा, पुलिस लाइन स्थित एक विद्यालय में सोमवार को तीन दिवसीय निःशुल्क बाल योग संस्कारशाला शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। शिविर के पहले दिन बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला।

शिविर के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय योगासन जज व योग गुरु योगी ज्वाला सिंह ने तीन वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक के बालयोगियों को वेद मंत्रों के पावन उच्चारण के साथ योगाभ्यास की शुरुआत कराई। उन्होंने बच्चों को बैठकर किए जाने वाले सुखासन, सिद्धासन, पद्मासन, दंडासन, वज्रासन, भद्रासन तथा खड़े होकर किए जाने वाले ताड़ासन, ऊर्ध्व ताड़ासन, त्रिकोणासन, कोणासन और वृक्षासन का अभ्यास कराया और इनसे होने वाले शारीरिक व मानसिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी। योग गुरु ने बताया कि बैठकर किए जाने वाले आसन बच्चों में स्थिरता, दृढ़ता और एकाग्रता विकसित करते हैं, वहीं खड़े होकर किए जाने वाले आसन लंबाई बढ़ाने, अतिरिक्त चर्बी कम करने और शरीर को सुदृढ़ बनाने में सहायक होते हैं। विद्यालय के प्रबंधक रतन जॉनसन ने कहा कि आज बच्चों को शिक्षा तो मिल रही है, लेकिन स्वास्थ्य बड़ी चुनौती बना हुआ है। इसका समाधान योग है, जिसे शिक्षा के साथ अपनाकर ही जीवन को संतुलित बनाया जा सकता है। विंध्य योग सेवा धाम की मुख्य महिला केंद्रीय प्रभारी संगीता ब्यास ने कहा कि योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जो आज विश्वभर में स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रतीक बन चुका है। यदि बच्चों में बचपन से ही योग के संस्कार विकसित किए जाएं तो वे स्वयं, परिवार और समाज के लिए प्रेरणा बन सकते हैं। इस अवसर पर जिला प्रभारी युवा भारत प्रवीण मौर्या की देखरेख में बच्चों के साथ-साथ शिक्षक किरन पाण्डेय, मुकेश मिश्रा, डिम्पल पॉल, ममता यादव, सर्वजीत यादव, प्रीति श्रीवास्तव, प्रीति गुप्ता, शबाना अख़्तर, प्रिया श्रीवास्तव सहित अन्य लोगों ने योग सत्र में सक्रिय सहभागिता की।

आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो : डीएम

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने सोमवार को जूम मीटिंग के जरिए विभिन्न विभागों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आईजीआरएस एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर आने वाली तमाम शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया। जिलाधिकारी ने जिला व तहसील स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वयं रुचि लेकर कार्य करते हुए संतुष्टि प्रतिशत बढ़ाना सुनिश्चित करें अन्यथा लापरवाही पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने छात्रवृत्ति से संबंधित अवशेष प्रकरणों पर असंतोष जताते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक व विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्वयं विद्यालयों में जाकर लंबित कार्यवाही पूर्ण कराएं, ताकि पात्र विद्यार्थियों को समय से लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने शीतलहर को देखते हुए नगर पालिका व नगर पंचायतों को रैन बसेरों का पूर्ण क्षमता से संचालन कराने व चिन्हित स्थलों पर अलाव जलवाने के निर्देश दिए, जिससे कोई भी असहाय व्यक्ति खुले में न सोए। सिंचाई विभाग को नहरों व रजवाहों में टेल तक पानी पहुंचने की स्थिति की फोटो सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। इसके साथ ही राजस्व मामलों में दर्ज एफआईआर की सूची उपलब्ध कराने, लंबित वादों के शीघ्र निस्तारण, गौआश्रय स्थलों के निरीक्षण और विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की अवशेष कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

जालौन में 19 दिसंबर से शुरु होगा 'प्रशासन गाँव की ओर' अभियान, जिलाधिकारी ने की बैठक

उरई। उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में 'सुशासन सप्ताह 2025' के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित 'प्रशासन गाँव की ओर' नामक राष्ट्रव्यापी अभियान को क्रियान्वित किए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 19 से 25 दिसंबर 2025 तक चलने वाले इस एक सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान तहसील मुख्यालय एवं पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाए, ताकि आमजन की लोक शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की केंद्रीय लोक शिकायत निवारण प्रणाली तथा राज्य सरकार के आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। साथ ही ऑनलाइन सर्विस डिलीवरी की सेवाओं में वृद्धि करते हुए प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपना दल (एस) ने मनाई लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं भारत के प्रथम गृह मंत्री भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर सोमवार को अपना दल (एस) द्वारा श्रद्धा और सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन माननीय केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल के निर्देश पर प्रदेश के प्रत्येक जिले में किया गया। नगर के भरूहना स्थित सांसद जनसंपर्क कार्यालय, पटेल चौक के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष इं0 राम लौटन बिंद ने की। इस अवसर पर उन्होंने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश की सैकड़ों रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण की नींव रखी। देश को एक सूत्र में पिरोने वाले उनके अद्वितीय योगदान के कारण ही उन्हें लौह पुरुष की संज्ञा दी गई। उनका राष्ट्रनिर्माण में दिया गया योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कार्यक्रम के उपरांत जिलाध्यक्ष सहित पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भरूहना पटेल चौक में स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, विधानसभा, जोन, सेक्टर, बूथ स्तर के पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी को सीएमओ कार्यालय के निरीक्षण में कई स्टाफ गैरहाजिर मिले, हर जगह दिखी बदहाल व्यवस्था

- गैरहाजिर मिले स्टाफ का एक दिन का वेतन काटने के दिए निर्देश
- सीएमओ कार्यालय में ही अनियमितता की भरमार
- लेखाकार मनीष कुमार को जारी होगा चेतावनी पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर की ध्वस्त होती स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने के लिए जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. लगातार एक्शन में नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को उन्होंने जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, खैराबाद का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली में गंभीर लापरवाही, अव्यवस्था और जिम्मेदारी से बचने का रवैया सामने आया, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर ने कार्यालय के डाक डिस्पैच कक्ष, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कक्ष, नोडल अधिकारी कक्ष, जिला सर्विलांस कक्ष, लेखा अनुभाग, उप मुख्य चिकित्साधिकारी कक्ष, प्रशासनिक अधिकारी कक्ष एवं मेडिकल अनुभाग का बारीकी से निरीक्षण किया। डाक डिस्पैच कक्ष में रजिस्टरों में भारी त्रुटियां पाई गईं, जिस पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय लिपिक कमल हसन अनुपस्थित पाए गए, जिनका एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए गए। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कक्ष में नोडल अधिकारी डॉ. विकास भी गैरहाजिर मिले। इस पर डीएम ने उनका एक दिन का वेतन काटने के साथ स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश सीएमओ को दिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम एक दिन सीएमओ कार्यालय में अनिवार्य रूप से बैठने के निर्देश दिए गए। मेडिकल अनुभाग के निरीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि कई चिकित्सक मुख्यालय छोड़कर बाहर निवास कर रहे हैं। इस पर डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए सीएमओ को सभी चिकित्सकों के लिए मुख्यालय पर निवास अनिवार्य करने का कार्यालय आदेश जारी करने के निर्देश दिए। आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। वहीं लेखा अनुभाग में कैश बुक रजिस्टर में गंभीर त्रुटियां मिलने पर जिलाधिकारी ने स्वयं सीएमओ को नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए और लेखाकार मनीष कुमार को चेतावनी पत्र जारी करने के आदेश दिए। गौरतलब है कि डीएम डॉ. राजागणपति आर. लगातार सीएचसी, पीएचसी, एएनएम सेंटर सहित स्वास्थ्य इकाइयों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं। हर निरीक्षण में भारी अनियमितताएं उजागर हो रही हैं, जिस पर कहीं वेतन कटौती, कहीं नोटिस और कहीं सुधार के निर्देश दिए जा रहे हैं। पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का संचालन करने वाले सीएमओ कार्यालय में इतनी खामियां मिलना स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। डीएम की सख्ती से यह साफ हो गया है कि लापरवाही और मनमानी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वाराणसी: शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती करेंगे शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिनी घनपाठ ग्रन्थ का लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में सोमवार शाम ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पहुँच रहे हैं। लखनऊ से काशी आने पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का संत,बटुक और भक्त पुष्पवर्षा व जयघोष के मध्य भव्य स्वागत करेंगे। यह जानकारी श्रीविद्यामठ, केदारघाट के प्रवक्ता संजय पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिनी घनपाठ ग्रंथ का विमोचन मंगलवार (16 दिसंबर) की शाम 5.30 बजे श्रीविद्यामठ में होने जा रहा है। यह आयोजन विद्याश्री धर्मार्थ न्यास काशी के तत्वावधान में होगा। इस अवसर पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती की भी विशिष्ट मौजूदगी रहेगी। शंकराचार्य के हाथों ग्रंथ का विमोचन संपन्न होगा । कार्यक्रम का मुख्य विषय शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिनी शाखा से संबंधित वैदिक परंपरा, अनुसंधान एवं संरक्षण है। इस ग्रंथ के संपादक एवं शोधकर्ता डॉ. मणिकुमार झा हैं। इसको प्रकाशित प्रकाशन सेवालाय,ज्योतिर्मठ बद्रीकाश्रम हिमालय ने किया है। यह ग्रन्थ प्रथम बार प्रकाशित हुआ है। अब तक यह घनपाठ श्रुत परम्परा से मौखिक रूप में संरक्षित था। यह ग्रंथ वैदिक अध्ययन,शोधार्थियों एवं सनातन परंपरा से जुड़े विद्वानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। लोकार्पण समारोह में शिक्षाविद प्रो. हृदय रंजन शर्मा,प्रो. श्रीकिशोर मिश्र, प्रो.राममूर्ति चतुर्वेदी, प्रो.पतंजलि मिश्र, प्रो.महेन्द्र पाण्डेय, प्रो.सुनील कात्यायन एवं प्रो.कमलेश झा उपस्थित रहेंगे।